प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-07, अंक - 21 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरूवार 13 फरवरी 2025 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

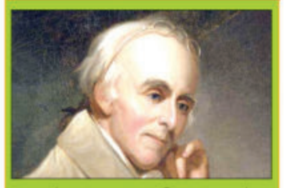

हमेशा भयभीत रहने के बजाए एक बार खतरा मोल लीजिए।

थॉमस फुलर

संविधान की प्रति में चित्रों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में बहस

नई दिल्ली, एजेंसी ।

राज्यसभा में संविधान की प्रति में चित्रों की गैरमौजूदगी को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। बीजेपी सांसद आरएमडी अग्रवाल ने कहा कि बाजार में उपलब्ध संविधान की प्रतियों में रामायण, महाभारत और भारतीय इतिहास से जुड़े चित्र नहीं हैं, जबकि ये मूल पाठ का हिस्सा थे। मंगलवार को आरएमडी अग्रवाल ने विशेष उल्लेख के दौरान कहा कि संविधान की मूल प्रति में भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, अर्जुन को गीता का उपदेश देते भगवान कृष्ण, महात्मा गांधी, रानी लक्ष्मीबाई, शिवाजी और अन्य के चित्र शामिल थे, लेकिन अब प्रकाशित हो रही प्रतियों में ये चित्र नहीं हैं।

इस पर विपक्ष ने कड़ा विरोध जताया। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने संविधान को अनावश्यक विवाद में घसीटने का प्रयास बताया और आरोप लगाया कि यह डॉ. भीमराव अंबेडकर की छवि को धूमिल करने का प्रयास है। खड़गे ने पूछा कि ये चित्र कहां हैं? क्या आपने कभी संविधान की मूल प्रति में इसे देखा है? सभापति जगदीप धनखड़ ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि संविधान की मूल प्रति में 22 चित्र थे, जो भारत की 5000 साल पुरानी सांस्कृतिक यात्रा को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा कि इन चित्रों को शामिल न करना अपमानजनक होगा।

वहीं बीजेपी के राज्यसभा नेता जेपी नड्डा ने सदन में कहा कि सदस्य ने एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि सरकार संविधान से जुड़ी भावनाओं का सम्मान करेगी और उचित कदम उठाएगी। नड्डा ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे इसे राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं, जबकि अग्रवाल ने अंबेडकर को लेकर कुछ भी गलत नहीं कहा। विपक्षी सांसदों ने इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाते हुए सदन में हंगामा किया। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन ने कहा कि उनके आईपैड में संविधान की 404 पन्नों की प्रति है, जिसमें भी चित्र नहीं हैं, तो क्या इसे भी अवैध माना जाएगा? संविधान की मूल प्रति जब संविधान 1950 में अपनाया गया था, तब उसकी हस्तलिखित मूल प्रति में भारतीय संस्कृति को दर्शाने वाले कई चित्र शामिल थे, जिन्हें मशहूर कलाकार नंदलाल बोस और उनके सहयोगियों ने बनाया था। वर्तमान प्रतियां संविधान की मुद्रित प्रतियों में आमतौर पर ये चित्र नहीं होते, क्योंकि वे केवल मूल हस्तलिखित संस्करण में मौजूद थे। विपक्ष का कहना है कि संविधान का मुख्य उद्देश्य उसके प्रावधान और अधिकार हैं, न कि चित्र, जबकि बीजेपी इसे संस्कृति और विरासत से जोड़ रही है। सरकार ने संविधान की मूल प्रति में मौजूद चित्रों को वापस लाने पर विचार करने की बात कही है, लेकिन विपक्ष इसे अनावश्यक विवाद बता रहा है।

वित्तमंत्री के बयान पर प्रियंका का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वह निर्मला सीतारमण किस ग्रह पर रह रही हैं। वे कह रही हैं कि महंगाई नहीं है, बेरोजगारी नहीं बढ़ी है, कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

दरअसल प्रियंका वाड्रा का ये बयान वित्तमंत्री के संसद में दिए बयान पर आया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत में यूपीए सरकार की तुलना में पीएम मोदी की सरकार में महंगाई काफी कम है।

सीतारमण ने बताया कि यूपीए के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान खाद्य महंगाई 11 प्रतिशत थी, जो चौंकाने वाली थी। एनडीए सरकार के तहत खाद्य महंगाई 2014 से 2024 तक 5.3 प्रतिशत तक कम हो गई। यूपीए के समय में देखी गई 10 प्रतिशत की दोहरे अंकों की महंगाई अब नहीं है।

वहीं डीएम के सांसद कनिमोझी ने बताया कि वित्तमंत्री सीतारमण का बजट पर लोकसभा में उनका जवाब राजनीति से प्रेरित था। मुझे नहीं लगता कि यह संसद में हुई चर्चा का जवाब था, क्योंकि बहुत सारे प्रासंगिक सवाल उठाए गए थे। लेकिन वित्त मंत्री वास्तव में विशेष राज्य सरकारों को जवाब दे रही थीं और इस बहुत राजनीतिक बना रही थीं। वहीं कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में बजट चर्चा पर वित्त मंत्री का जवाब दोष टालने, ध्यान भटकाने और वास्तविकता से ध्यान भटकाने का मास्टरक्लास था। विपक्ष के उठाए महत्वपूर्ण मुद्दों को उन्होंने खारिज कर दिया। इससे पता चलता है कि उनका असली इरादा बजट में उजागर की गई कमियों का जवाब देना नहीं, बल्कि राजनैतिक नंबर हासिल करना था।

वित्त मंत्री निर्मला ने कहा था कि महंगाई मैनेजमेंट मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। महंगाई ट्रेंड खासतौर से खाद्य महंगाई कम होती दिख रही है। सरकार 2025-26 में करीब पूरी उधारी का उपयोग पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण के लिए कर रही है।

महंगा हुआ महाकुंभ जाना, आसमान पर पहुंचा हवाई किराया

नई दिल्ली, एजेंसी ।

महाकुंभ में बढ़ती भीड़ और लोगों की जरुरत के चलते कंपनिया इसका फायदा उठा रही हैं। खासतौर से एयरलाइंस कंपनियां कुछ ज्यादा ही इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रही हैं। यही वजह है कि लंदन, बैंकॉक जाने से भी ज्यादा महंगा महाकुंभ जाना हो गया है। मौजूदा समय में दिल्ली से प्रयागराज के लिए हवाई किराया 80,000 रुपये तक पहुंच चुका है, जबकि लंदन की एकतरफा टिकट मात्र 3100 रुपये में मिल रही है। सामान्य दिनों में दिल्ली से प्रयागराज का हवाई किराया केवल 3,000 से 5,000 रुपये के बीच होता है। दिल्ली ही नहीं मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे अन्य प्रमुख शहरों से भी प्रयागराज जाने वाली उड़ानों के किराए में भारी उछाल देखा गया है। इन शहरों से प्रयागराज के लिए टिकट की कीमतें मुख्य स्नान पर्वों के दौरान 18,000 रुपये से 41,106 रुपये तक पहुंच गई हैं। चेन्नई से प्रयागराज की एकतरफा टिकट की कीमत हाल ही में 70,996 रुपये तक दर्ज की गई थी।

दिल्ली से प्रयागराज की हवाई यात्रा अब अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से भी महंगी हो गई है। लंदन और बैंकॉक की एकतरफा फ्लाइट टिकट की तुलना में दिल्ली से प्रयागराज की टिकट ज्यादा महंगी हो गई है। महाकुंभ के प्रमुख स्नान पर्वों जैसे मौनी अमावस्या (29 जनवरी), बसंत पंचमी (3 फरवरी), माघी पूर्णिमा (12 फरवरी) और महाशिवरात्रि (26 फरवरी) के दौरान हवाई किराए में अप्रत्याशित बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उदाहरण के लिए, 31 जनवरी को दिल्ली से प्रयागराज की एकतरफा टिकट का किराया 33,590 रुपये था, जबकि सामान्य किराया मात्र 5,000 रुपये होता है। भुवनेश्वर से प्रयागराज की उड़ान का किराया भुवनेश्वर से बैंकॉक तक की उड़ान की कीमत से चार गुना अधिक है। भुवनेश्वर से प्रयागराज की उड़ान की कीमत 39,508 है, जबकि भुवनेश्वर से बैंकॉक की उड़ान की कीमत 13,538 से शुरू है। वहीं, सामान्य दिनों में इस मार्ग के उड़ानों की कीमत तीन से चार हजार तक से शुरू हो जाती है। वहीं, महाकुंभ समाप्त होने के बाद की टिकट बहुत सस्ती मिल रही हैं। अकासा एयर की टिकट 4,000 से थोड़ी ज्यादा है तो इंडिगो 4,059-9,888 में टिकट उपलब्ध करा रही है। स्पाइसजेट 4,121-13,842 में, एयर इंडिया, 4,201-24,906 तो एलायंस एयर 5,114-5,639 में टिकट उपलब्ध करा रही है।

गुलाब देकर करता है बैड टच, छात्रा ने टीचर पर लगाये आरोप

ग्वालियर।

ग्वालियर के सबसे पुराने कॉलेजों में से एक माधव महाविद्यालय में एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने शिक्षा के मंदिर को शर्मसार कर दिया है। कॉलेज की एक छात्रा ने टीचर पर उसके साथ अश्लील हरकत करने, उसे बैड टच करने और जबरन शहर के बाहर ले जाने के प्रयास के गंभीर आरोप लगाये हैं , छात्रा ने इसकी शिकायत प्रिंसिपल से की है साथ ही जनकगंज पुलिस थाने में भी शिकायत दर्ज कराई है। माधव कॉलेज में बीए सेकण्ड ईयर में पढ़ने वाली छात्रा एनसीसी कैडेट है वो देश के लिए एक सैनिक बनकर काम करना चाहती है लेकिन उसके साथ पिछले 6 महीने से उसका एनसीसी टीचर हरकत कर रहा था, जब उसकी सहनशीलता जवाब दे गई तो उसने फिर इसका प्रतिकार किया और खुद की लड़ाई लड़ने का फैसला किया। अकेले में बुलाकर गुलाब देकर बैड टच करता था।

छात्रा ने एनसीसी टीचर दिनेश सिंह कुशवाह के खिलाफ कॉलेज प्रिंसिपल और पुलिस थाने में शिकायत की है जिसपर दोनों ही जगह से एक्शन शुरू हो गया है। जानकारी के मुताबिक एनसीसी टीचर उसे अकेले में बुलाकर गुलाब का फूल देकर उसे अनावश्यक रूप से छूता है यानि उसे बैड टच करता है, उसके साथ अश्लील हरकत करता है।

अकेले खजुराहो ले जाने का भी किया प्रयास

छात्रा ने शिकायत में कहा कि दिनेश सिंह केवल मेरे साथ ही नहीं एक अन्य छात्रा के साथ भी ऐसी ही हरकत कर चुका है, उसने कहा कि दिनेश सिंह ने मुझे अकेले खजुराहो ले जाने की भी फरमाइश की थी जब उसका विरोध किया तो उसने धमकी दी कि वो उसे एनसीसी से निकलवा देगा।

पुलिस ने शुरू की जाँच

छात्रा ने कहा कि उसने अपने परिजनों को टीचर दिनेश की बाते बताई और फिर उनकी मदद से कॉलेज प्रिंसिपल के पास लिखित शिकायत की फिर जनकगंज थाने में शिकायत की। एडिशनल एसपी निरंजन शर्मा ने बताया कि छात्रा ने एनसीसी टीचर द्वारा बैड टच की शिकायत की है जल्दी ही मामले की जाँच कर एक्शन लिया जायेगा।

पीएम के विमान पर आतंकी हमले की धमकी, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विमान पर आतंकी हमले की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। मुंबई पुलिस ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने कंट्रोल रूम में कॉल कर पीएम मोदी की आधिकारिक विदेश यात्रा के दौरान हमले की चेतावनी दी थी।

मुंबई पुलिस के हवाले से बताया गया, कि 11 फरवरी को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में एक कॉल आया जिसमें चेतावनी देते हुए कहा गया, कि चूंकि प्रधानमंत्री मोदी विदेश यात्रा पर जा रहे हैं ऐसे में उनके विमान पर आतंकवादी हमला कर सकते हैं। इस धमकीभरे संदेश के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धमकी देने वाले शख्स को मुंबई के चेंबूर इलाके से हिरासत में ले लिया है। जांच में पता चला है कि आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ है। पुलिस ने कहा कि इस कॉल के बाद सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया और मामले की गहन जांच जारी है।

पहले भी मिल चुकी हैं धमकियां

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जबकि प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा को लेकर मुंबई पुलिस को इस तरह की धमकी मिली हो। पिछले साल दिसंबर में ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन पर एक धमकी भरा संदेश मिला था, जिसमें दो संदिग्ध आईएसआई एजेंटों द्वारा बम विस्फोट की साजिश का दावा किया गया था। इसके अलावा, पिछले साल कांदिवली निवासी 34 वर्षीय शीतल चव्हाण को पीएम मोदी की जान को खतरा बताने वाली फर्जी कॉल करने के आरोप में गिरफतार किया गया था।

पीएम विदेश की यात्रा पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार से अपनी चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर फ्रांस और अमेरिका गए हुए हैं। उनकी दो दिवसीय अमेरिकी यात्रा बुधवार से शुरू हो रही है। इस दौरान वह कई महत्वपूर्ण बैठकों और समझौतों पर चर्चा करेंगे।

कांग्रेस नेता को 41 साल बाद सुनाई जाएगी सजा

नई दिल्ली, एजेंसी ।

करीब 41 साल बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को सिख दंगों के दौरान दो सिखों की हत्या के मामले में दोषी माना है। कोर्ट 18 फरवरी को सजा सुनाएगी।

इसके पहले दिसंबर 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट की डबल बेंच ने एक अन्य मामले में सज्जन कुमार को दोषी मनाकर उम्रकैद की सजा सुनाई थी। उन्हें हिंसा कराने और दंगा भड़काने का दोषी पाया गया था। पहले से ही वे तिहाड़ जेल में सजा काट रहे हैं।

1984 में हत्या, 2021 में आरोप तय, 2025 में फैसला...

1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और तरुणदीप सिंह की हत्या की गई थी। पंजाबी बाग पुलिस स्टेशन में सज्जन कुमार के खिलाफ केस दर्ज हुआ था।

इसके बाद 16 दिसंबर 2021 को पुलिस जांच को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने सज्जन के खिलाफ आरोप तय किए थे। इस दौरान पीड़ित के वकील ने दलील दी थी, कि बड़ी भीड़ खतरनाक हथियार लेकर सरस्वती विहार में घुसी। उन्होंने लूटपाट, आगजनी और तोड़फोड़ शुरू कर दी। वे सिखों की संपत्ति पर हमला कर रहे थे। वे इंदिरा गांधी की हत्या का बदला ले रहे थे। भीड़ ने जसवंत के घर हमला किया, उसकी और बेटे की हत्या कर दी। लूटपाट के बाद घर में आग लगा दी।

इसके बाद स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने फैसला सुनाते हुए कहा कि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि सज्जन कुमार न केवल भीड़ में शामिल थे, बल्कि भीड़ की अगुआई भी कर रहे थे।

वहीं 31 जनवरी 2025 को हुई सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन पर फैसला टाल दिया था। इसके पहले 8 जनवरी और 16 दिसंबर 2024 को भी फैसला टाला गया था।

दिसंबर 2021 को कांग्रेस नेता सज्जन ने मामले में खुद को निर्दोष बताकर ट्रायल का सामना करने की बात कही थी। ट्रायल में सज्जन कुमार को दोषी माना गया था। इसके बाद उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

दरअसल, सुल्तानपुरी इलाके में 1984 के सिख दंगों के दौरान 3 लोगों की हत्या हुई थी। दंगे में सीबीआई की एक अहम गवाह चाम कौर ने आरोप लगाया था कि सज्जन भीड़ को भड़का रहे थे। सज्जन आजीवन कारावास की सजा काट रहे दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर 2018 को सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दरअसल, 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद दिल्ली में पांच सिखों की हत्या और गुरुद्वारा जला दिया गया था। इसी केस में सज्जन कुमार को दोषी पाया गया और उन्हें सजा सुनाई गई।

चुनावों से पहले मुफ्त की घोषणा की प्रथा पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी । सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनावों से पहले मुफ्त उपहारों की घोषणा करने की प्रथा पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि लोग अब काम करने के इच्छुक नहीं हैं क्योंकि उन्हें मुफ्त राशन और धनराशि मिल रही है। फ्रीबीज पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। जस्टिस बीआर गवई और ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच शहरी क्षेत्रों में बेघर लोगों के आश्रय के अधिकार से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

सुनवाई के दौरान जस्टिस गवई ने कहा कि दुर्भाग्यवश, इन मुफ्त योजनाओं के कारण लोग काम करने के इच्छुक नहीं हैं। उन्हें बिना काम किए मुफ्त राशन और धनराशि मिल रही है। बेंच ने कहा कि सरकार को लोगों को मुख्यधारा में शामिल करने और उन्हें राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करना चाहिए। बेंच ने कहा कि हम उनके लिए आपकी फिक्र की तारीफ करते हैं लेकिन क्या ये बहेतर नहीं होगा कि उन्हें समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बनाया जाए और उन्हें देश के विकास में योगदान करने दिया जाए।

केंद्र सरकार के अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। इस मिशन में शहरी बेघर लोगों के लिए आश्रय प्रदान करने समेत कई मुद्दों का समाधान शामिल होगा। कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से यह वेरिफाई करने को कहा कि सरकार इस मिशन को कब तक लागू करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई छह हफ्ते बाद तय की है। इससे पहले पिछले साल अक्टूबर में भी सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में फ्रीबीज को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। वह याचिका चुनाव के दौरान फ्रीबीज के ऐलान के खिलाफ थी। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से मांग की थी कि वह चुनाव आयोग को यह तय करने के लिए निर्देश दे कि राजनीतिक पार्टियां चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियों वाले वादें न करें।

दारू क्यों नहीं उतारने देता कह कर किया विवाद

माही की गूंज, खवासा।

जिले में जहां शराब माफियाओं व अवैध शराब का बोलबाला इतना बढ़ गया है कि, छोटे-छोटे गांव में भी शराब बेचने वाले अवैध शराब विक्रय करने वाले व्यापारी गांव व मोहल्ले वाले के लिये भी अब खतरा बनने लगे हैं।

खवासा चौकी क्षेत्र का एक बड़ा कस्बा ग्राम भामल के रहवासी 71 वर्षीय बहादुर सिंह पिता उदेसिंह नकुम जो कि रिटायर्ड पुलिस हेड कांस्टेबल है ने खवासा चौकी में 10 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज करवाई।

बहादुर सिंह ने अपनी रिपोर्ट में लिखवाया कि, गांव के भारत पिता रतनसिंह, रतनसिंह पिता लक्ष्मणसिंह जाधव व बंटी पिता बापू सिंह 9 फरवरी की रात में घर पर आए और आरोपितगण के घर पर अवैध दारू क्यो नहीं उतरने देगें की बात कहकर बहादुर सिंह से गाली गुप्ता देकर बड़ा विवाद किया। तथा आगे जब भी अवैध वाहन शराब से भरा भामल में आए और आरोपितगणो के घर पर अवैध शराब उतरते समय बहादुर सिंह आपत्ति लेगा तो उसे जान से मारने तक की धमकियां आरोपितगण देकर गए।

जब खवासा पुलिस के पास रिटायर्ड हेडसाब बहादुर सिंह रिपोर्ट दर्ज करवाने गए तो, खवासा पुलिस ने, तु हमको दारू क्यों नहीं उतारने देता है कह कर गाली-गलौच करने व विवाद करने की रिपोर्ट पर मामला दर्ज करने की बजाय उक्त रिर्पोट पर अदम चेक काट कर अपने कार्य की इतिश्री कर दी। अदम चेक लेकर फरियादी रिटायर्ड हेडसाब बहादुर सिंह माही की गूंज कार्यालय आए और प्रतिनिधि को बताया कि, भारतसिंह जाधव भामल में मादलदा मार्ग पर तेजाजी मंदिर के सामने ढाबे पर अवैध शराब बेचता है। वहीं भारत सिंह का मकान हमारे घर के सामने हैं। भारत सिंह अक्सर रात्रि में राजस्थान से बड़ी मात्रा में शराब की पेटियां चार पहिया वाहन से लाता है और अवैध शराब अपने घर पर खाली करवाता है। क्षेत्र के ठेकेदार की भी गाड़ी आती है पर शराब ठेकेदार की गाड़ी से चार-पांच पेटी शराब उतारता है और राजस्थान से बड़ी मात्रा में शराब बुलवाता है।

भारत सिंह उसके ढाबे पर अवैध शराब बेचे उस पर पुलिस व आबकारी क्या कार्रवाई करती है ये उनका विषय है। पर हमारे मोहल्ले में आकर बाहरी व्यक्ति रात्रि में शराब भरकर आते हैं और भारत सिंह बड़ी मात्रा में शराब उतरवाता है और घर से भी शराब बेचता है उस पर हमें आपत्ति है। क्योकी बाहरी लोग मोहल्ले में आते है और शराब के नशे में बहन बेटियो पर गंदी नजर भी डालते है और अन्य विवाद की स्थितिया भी बनती है। भारतसिंह द्वारा विवाद करने के तीन-चार दिन पूर्व रात्रि में 9 बजे के करीब राजस्थान से चार पहिया वाहन में अवैध शराब लेकर आया और 40-50 अवैध शराब की पेटिया घर पर खाली करवाई। बहादुरसिंह ने वाहन चालक को कहा कि, आगे से तू या कोई भी मोहल्ले में शराब लेकर नहीं आएगा और आएगा तो उसकी शिकायत करेंगे। जिस पर भारतसिंह, उसके पिता रतनसिंह व बंटी ने आकर बहादुरसिंह के साथ गाली-गलौज की और आगे से दारू उतारने पर कोई आपत्ति ली तो जान से मारने तक की धमकी दी और कहा कि, यहा पर पत्थर से कुचल-कुचल कर मार डालेंगे तथा उक्त रिपोर्ट पुलिस चौकी पर दर्ज करवाई। जिस पर खवासा पुलिस ने अदम चेक काट कर दिया।

पुलिस ने नहीं की कोई कार्रवाई

मामले में यह बात भी स्पष्ट होती है कि, पुलिस व अवैध शराब विक्रेताओं का कितना मजबूत गठजोड़ है। नतीजन एफआईआर दर्ज करने की बजाय अवैध शराब खाली करवाने का उल्लेख कर अदम चेक काटकर दे दिया। अगर पुलिस कहे कि, हमारा कोई तालुक अवैध शराब विक्रेताओ से नहीं है, तो उक्त अदम चेक रिपोर्ट की पुष्टि करने के साथ ही भामल में मादलदा रोड स्थित तेजाजी मंदिर के सामने ढाबे व भारतसिंह के घर पर जाकर शराब पकड़ने की कार्रवाई करती। जिसके पश्चात पुलिस अपनी सफाई देती तो उसे सही माना जाता। पर खवासा पुलिस की क्षेत्र में बिक रही अवैध शराब के विक्रेता से बड़ी साठ-गाठ है और प्रत्येक अवैध विक्रेता से 500 से लेकर 5000 रुपये तक प्रतिमाह खवासा पुलिस लेती है। वही ठेकेदार से भी अवैध शराब विक्रय के नाम से खवासा पुलिस मोटी रकम रिश्वत के रूप में लेती है और जो आल अवर करीब चार लाख रुपये के लगभग प्रतिमाह अवैध शराब विक्रेता से ही पुलिस को मिलता है। यह बात क्षेत्र में बेच रहे अवैध शराब विक्रेता ही कहते रहे हैं। ऐसे में चाहे रिटायर्ड हेडसाब हो या फिर कोई भी अवैध शराब विक्रय की शिकायत करें तो पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं करेगी, यह तय है। लेकिन शिकायत करने वाले व आपत्ती लेने वाले बहादुरसिंह जैसे सजक नागरिक इन माफियाओ व अवैध शराब विक्रेताओं के आतंक का शिकार होते रहेंगे और पुलिस रिश्वत खाती रहेगी... !

रिर्पोटकर्ता बहादुरसिंह हेडसाब

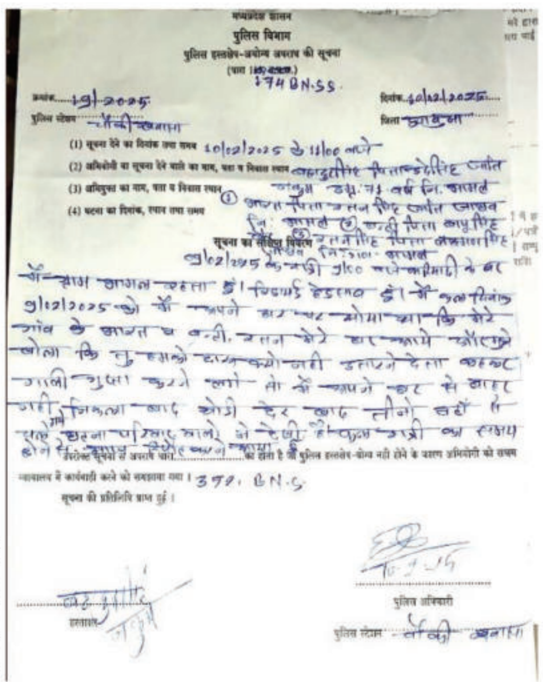
न्यायालय में कार्यवाही करने को समझाया गया। 379, BNS
सूचना की प्रतिलिपि प्राप्त हुई।
पुलिस अधिकारी
पुलिस स्टेशन - चौकी खवासा

पुलिस ने दारू उतारने की बात का हवाला देकर कांटा अदम चेक।

साले के स्थान पर जीजा ने दी थी परीक्षा, दोनों को दो-दो साल की सजा

माही की गूंज, रतलाम।

न्यायालय ने फर्जी तरीके से साले की जगह जीजा द्वारा परीक्षा देने के मामले में आरोपित गोपाल जाट पुत्र भरतलाल जाट निवासी ग्राम पंचेड व उसके जीजा देवकरण चौधरी पुत्र शिवनारायण चौधरी निवासी ग्राम कंसेर को भादंवि की धारा 419 में दो-दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। उन पर एक-एक हजार रुपये का जुर्माना भी किया गया। फैसला प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट जावरा हर्षिता पिपरेवार ने सुनाया।

यह है पूरा मामला

सहायक मीडिया सेल प्रभारी भूपेन्द्र कुमार सांगते ने बताया कि 15 जून 2015 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल कालूखेडा में भोज मुक्त विश्वविद्यालय की बीए प्रथम वर्ष के आधार पाठ्यक्रम विषय की परीक्षा थी। परीक्षार्थी गोपाल जाट निवासी पंचेड को परीक्षा में शामिल होना था, किंतु गोपाल के स्थान पर उसका जीजा देवकरण चौधरी निवासी ग्राम कंसेर परीक्षा दे रहा था। पर्यवेक्षक कालुराम परिहार द्वारा उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर कराते समय प्रवेश पत्र पर फोटो का मिलान करने पर मिलान नहीं हुआ।

इस पर केन्द्राध्यक्ष संजना चौहान (प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल कालूखेडा) को सूचना दी गई थी। वे परीक्षा कक्ष में पहुंची तथा चेक किया तो परीक्षार्थी गोपाल के स्थान पर उसका जीजा देवकरण उत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करते पाया गया था। पूछताछ करने पर देवकरण ने बताया था कि वह गोपाल के स्थान पर परीक्षा दे रहा है। इस पर कालूखेड़ा थाने पर गोपाल व देवकरण के खिलाफ रिपोर्ट की गई थी।

विधायक श्री भूरिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर कांग्रेस कार्यकर्ता में खुशी

माही की गूंज, झाबुआ। झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया को आदिवासी कांग्रेस कमेटी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किये जाने से झाबुआ-अलीराजपुर जिले के कांग्रेसी नेताओ में खुशी की लहर है। अखिल भारतीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे द्वारा एक बडी उपलब्धी झाबुआ जिले को देने से हर्ष व्याप्त है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने बताया कि, राष्ट्रीय स्तर का पद मिलने से जिला गौरन्वित है, अ.भा.कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, एवं प्रियकां गांधी, राहूल गांधी की सहमति से जनरल सेक्रेट्री के.सी वेणुगोपाल द्वारा उक्त नियुक्ति की गई है। चूकि डॉ विक्रांत भूरिया वर्तमान में झाबुआ विधायक है तथा इसके पूर्व प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके है। उनकी कार्य शैली तथा संगठनात्मक कार्य करने की रूची को देखते हुए उन्हे यह पद दिया गया है। सभी कांग्रेसी नेताओ व कार्यकताओ ने श्री भूरिया को बधाई दी एवं शीर्ष कांग्रेस नेताओं का आभार माना।

पुलिस अधीक्षक झाबुआ द्वारा आमजन से साइबर सुरक्षित रहने की अपील की

माही की गूंज, झाबुआ।

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा 1 फरवरी 2025 से 11 फरवरी 2025 तक चलाए जा रहे साइबर सुरक्षा अभियान 'सेफ क्लिक' के तहत पुलिस अधीक्षक झाबुआ श्री पद्मविलोचन शुक्ल ने आमजन से साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की है।

इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देना और उन्हें सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की दिशा में प्रेरित करना है। पुलिस अधीक्षक महोदय ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया कि वे व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखें, फर्जी लिंक और संदिग्ध ईमेल से सावधान रहें, और अनजानी वेबसाइटों पर क्लिक करने से बचें। उन्होंने यह भी कहा कि साइबर अपराधियों से बचने के लिए मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें और समय-समय पर अपने खाते की सुरक्षा सेटिंग्स की समीक्षा करें।

पुलिस अधीक्षक महोदय ने यह भी बताया कि झाबुआ जिले में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न माध्यमों से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़े सूचना का पालन करें और किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करें व 1930 सायबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करें ।

इस साइबर सुरक्षा अभियान ÷सेफ क्लिक÷ के माध्यम से झाबुआ जिले के नागरिकों को सुरक्षित और साइबर अपराध से मुक्त रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

विगत 11 दिनों में पुलिस अधीक्षक झाबुआ श्री पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रेमलाल कुर्वे के मार्गदर्शन में सेफ क्लिक अभियान के तहत झाबुआ पुलिस द्वारा जिले में विभिन्न 120 स्थानों पर साइबर सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित कर लगभग 15,894 लोगो को साइबर अपराध से सुरक्षित रहने हेतु जागरूक किया गया।

डायल 112/100 ने रात्रि में सफर कर रहे लोगों की मदद

माही की गूंज, झाबुआ।

झाबुआ के थाना कल्याणपुरा क्षेत्र अंतर्गत मुंडत गाँव के पास में रात्रि में प्रयागराज से अहमदाबाद जा रहे परिवार की कार का टायर पंचर हो गया, रात 3 बजे का समय होने और जंगल होने के चलते यात्रियों ने राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम पर मदद के लिए गुहार लगाई। जिसके बाद उन्हे डायल-112/100 जवानों ने सहायता कर गंतव्य के लिए रवाना किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार झाबुआ के थाना कल्याणपुरा क्षेत्र अंतर्गत मुंडत गाँव के पास कॉलर की कार का टायर पंचर हो गया था। कॉलर के साथ उनका परिवार था, पुलिस सहायता की आवश्यकता थी। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में 12-02-2025 को रात्रि 03 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल कल्याणपुरा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ प्रधान आरक्षक नारजी भाभोर, पायलेट पुष्पेंद्र वर्मा ने मौके पर पहुँचकर बताया कि मकवाना उर्वशी प्रयागराज से अहमदाबाद अपने परिवार के साथ जा रही थी, रास्ते में उनकी कार का टायर पंचर हो गया था, जैक एवं स्टेपनी खराब होने के कारण एवं आसपास से कोई सहायता नहीं मिलने पर मकवाना उर्वशी ने डायल-112/100 पर कॉल कर मदद माँगी थी। डायल-112 स्टाफ ने एफ़ आर व्ही में रखे टूल्स की मदद से टायर खोल कर टायर बनवा कर एवं टायर को कार में फिट करके परिवार को उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। देर रात सहायता करने के लिए परिवार द्वारा डायल-112/100 सेवा का आभार व्यक्त किया गया।

कॉलेज व स्कूल की परीक्षा देखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित व नियम विरूद्ध प्रयोग पर नियंत्रण हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

माही की गूंज, झाबुआ।

कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे/बैण्ड/प्रेशर हान) के अनियंत्रित व नियम विरुद्ध प्रयोग पर नियंत्रण हेतु व यह देखते हुए कि कॉलेज व स्कूल के छात्र/छात्राओं की परीक्षाएँ निकट है व तेज गति के ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग से छात्र/छात्राओं की परीक्षा की तैयारी में विघ्न उत्पन्न होता है, जिससे परिणाम विपरीत असर पड़ने की संभावना रहती है। उक्त समस्त के आधार पर जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर नियंत्रण जनहित में आवश्यक है।

ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 की धारा 2 (ग) में जिला दण्डाधिकारी को जिले की सीमा में उक्त नियमों को लागू करने हेतु प्राधिकारी बनाया गया हैं। अतः इस प्रिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना ध्वनि द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) (2) के तहत् झाबुआ जिले की राजस्व सीमा हेतु आदेशित किया है कि:-

1- झाबुआ जिले के अंतर्गत समस्त उत्सव/आयोजन के दौरान लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, विहित प्राधिकारी की अनुमति के बगैर प्रतिबंधित रहेगा।

2- ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 द्वारा निर्धारित शेडयूल अनुसार निर्धारित ध्वनि का स्तर मानक सीमा से बाहर प्रतिबंधित रहेगा।

3- रात्रि समय 10.00 बजे से सुबह 6.00 बजे तक किसी भी प्रकार के लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, पूर्ण रूप से प्रतिबंधित होगा।

चूंकि यह आदेश आम जनता के महत्व का है तथा आम जनता को सम्बोधित है, जिसकी व्यक्तिशः सूचना दी जाना संगत नहीं होने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2) के तहत एकपक्षीय पारित किया जाता है।उक्त आदेश 11 फरवरी 2025 से 11 अप्रैल 2025 तक प्रभावशील रहेगा, तथा उक्त प्रभावशील अवधि में उक्त आदेश का उल्लघंन भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 अन्तर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आवेगा।

शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के तारतम्य में आम जन को इस तथ्य से अवगत कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है कि 14 फरवरी 2000 को केन्द्र सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत दी गई शक्तियों का प्रयोग कर सार्वजनिक स्थलों में विभिन्न स्रोतों द्वारा होने वाले ध्वनि प्रदूषण के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने के लिए ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 को अधिनियमित किया गया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ जबलपुर द्वारा ध्वनि प्रदुषण नियंत्रण के संबंध में जारी निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन कराने तथा ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किये जाने के संबंध में प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये है। यह नियम म.प्र. राज्य में भी लागू है। शहर में ध्वनि विस्तारक यंत्र, लाउड स्पीकर, डी.जे. बैण्ड इत्यादि के प्रयोग से ध्वनि का स्तर बढ़ता है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के उल्लघंन के संबंध में उच्चतम न्यायालय, खण्डपीठ ने ध्वनि प्रदूषण पर फैसला देते हुए लाउडस्पीकरों और हार्न के यहां तक कि निजी आवासों में भी इस्तेमाल पर व्यापक दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें लाउडस्पीकरों, वाहनों आदि से उत्पन्न होने वाले शोर आदि को भी कवर किया गया है।

ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 यथासंशोधित के नियम 3(1) व 4(1) के अनुसार नियमावली के शेड्यूल में Ambient Air Quality Standards ?? respect of Noice Pollution के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों जैसे औद्योगिक, वाणिज्यिक, रिहायसी व शांत क्षेत्र में दिन व रात के समय अधिकतम ध्वनि तीव्रता निर्धारित की गई है, जो निम्नवत है:-

औद्योगिक क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 75 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 70 डेसीबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 65 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 55 डेसीबल, आवासीय क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 55 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 45 डेसीबल, शांत क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 50 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 40 डेसीबल निर्धारित की गई है।

म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गत् वर्षों में समय-समय पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों क्रमशः शांत क्षेत्र, रहवासी क्षेत्र, व्यावसायिक क्षेत्र एवं औद्योगिक क्षेत्र में परिवेशीय ध्वनि मापन का कार्य किया गया तथा यह पाया गया हैं कि उक्त क्षेत्रों में ध्वनि का स्तर मानक सीमा से अधिक है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आगामी त्यौहारों के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों, लाउड स्पीकर एवं डी.जे. इत्यादि के प्रयोग से ध्वनि प्रदूषण बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है एवं म.प्र. शासन, गृह विभाग वल्लभ भवन के द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के निर्देश प्राप्त हुए है।

आगामी त्यौहारों/पर्वो के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिये प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया

माही की गूंज, झाबुआ।

आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए 14 फरवरी 2025 को शब-ए-बारात, 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि पर्व, 01 मार्च 2025 रमजान प्रारंभ, 07 मार्च 2025 से 13 मार्च 2025 तक भगोरिया पर्व, 13 मार्च 2025 को होलीका दहन, 14 मार्च 2025 को धुलेंडी एवं गल-चूल पर्व, 18 मार्च 2025 को रंगपंचमी, 21 मार्च 2025 शीतला सप्तमी, 28 मार्च 2025 को जमात उल विदा, 31 मार्च 2025 को इद-उल-फितर, 10 अप्रैल 2025 को महावीर जयंती,14 अप्रैल 2025 को डॉ. अंबेडकर जयंती, 18 अप्रैल 2025 को गुड फ्राइडे, 30 अप्रैल 2025 को परशुराम जयन्ती, अक्षय तृतीया आदि अन्य त्यौहार मनायें जायेंगे। आगामी त्यौहारों/पर्वो के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक स?द्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिये असामाजिक तत्वों, अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों तथा निहित स्वार्थी तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सम्पूर्ण जिला झाबुआ क्षेत्रान्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया जाना लोकहित में समुचित होगा।

पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ के पत्र द्वारा जिले में उक्त त्यौहार / पर्व में समाजजनों द्वारा रैली/जुलूस आदि निकाले जाते हैं अथवा किसी संगठन / आमजन द्वारा धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाता है, जिससे समाज में लोक परिशांति प्रभावित होती है एवं रैली/ जूलूस के दौरान कुछ लोग हथियार लेकर सम्मिलित हो जाते है। जिससे अप्रिय घटना घटित होने की प्रबल संभावना रहती है।

अतः कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ नेहा मीना भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) (2) में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया ः-

झाबुआ जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में आपत्तिजनक साम्प्रदायिक और धार्मिक उन्माद फैलाने वाले गाने बजाने व सोशल मिडिया के संसाधन, फेसबुक, व्हाटसएप, ट्विटर, इंस्ट्राग्राम, इन्टरनेट आदि से ऑपत्तिजनक फोटो, कमेंट, चित्र पोस्ट करने अथवा अन्य आपत्तिजनक संदेश पोस्ट करना पूर्णतः प्रतिबंधित होगा ।

झाबुआ जिले की सीमा में किसी भी संगठन द्वारा कोई धरना प्रदर्शन, जुलूस, रैली का आयोजन किये जाने से पूर्व आवेदन क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी को आवेदन प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। सभी कार्यक्रम के लिये आवेदन सक्षम पुलिस अधिकारी के अभिमत के साथ कम से कम 48 घण्टे पूर्व किया जाना तथा पुलिस अधिकारी के बिना आवेदन पत्र कम से कम 72 घंटे पूर्व प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। अनुमति प्राप्त करने वाले आयोजकों की यह जिम्मेदारी होगी कि वह पूरे कार्यक्रम/आयोजन की वीडियोग्राफी कराएंगें। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं हिंसा रहित हो यह उत्तरदायित्व आयोजक संस्था का होगा।

प्रशासनिक अनुमति प्राप्त आयोजनों में ऐसे नारे/बैनर / पोस्टर का प्रयोग नहीं किया जायें, जिनसे किसी भी धर्म/वर्गों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे। किसी भी कार्यक्रम के दौरान शस्त्र प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। ऐसा पाये जाने की दशा में संबंधित त्रुटिकर्ता के साथ-साथ कार्यक्रम के आयोजक /आयोजकों का भी उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाकर उनके विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की जावेगी।

समस्त प्रकार के आयोजनों की अनुमति प्रशासनिक अधिकारियों से प्राप्त किया जाने के उपरांत ही आयोजन किया जावेगा। अनुमति प्राप्त नहीं होने पर किये जाने वाले आयोजनों को अवैधानिक घोषित करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जावें।

चूंकि यह आदेश सर्व साधारण को संबोधित है, व व्यक्तिशः समस्त को तामिल किया जाना संभव नहीं होने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (2) के अंतर्गत एकपक्षीय पारित किया जाता है।

उक्त आदेश 12 फरवरी 2025 से 12 अप्रैल 2025 तक प्रभावशील रहेगा तथा उक्त प्रभावशील अवधि में आदेश का उल्लघंन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 अन्तर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आवेगा।

थांदला की घटना के बाद जागा नगर, आक्रोश रैली निकाल कर सौंपा ज्ञापन

सर्व समाजजन रैली लेकर पहुंचे तहसील कार्यालय, 15 दिन में कार्रवाई करने की मांग

माही की गूंज, पेटलावद।

विगत दिनों अंतर्राष्ट्रीय अपराधी के थांदला कनेक्शन का मामला सामने आने के बाद अज्ञात और बाहरी बदमाशों से सुरक्षा को लेकर नगर में आक्रोश देखने को मिला है। यहां प्रशासन की बिना जानकारी के लोग किरायेदार रख रहे है, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र बन रहे और राशन कार्ड बन रहे है। जिससे अपराधी लोगों की आसानी से शरणस्थली बनता जा रहा झाबुआ जिला, जिसे लेकर सर्व हिंदु समाज का आक्रोश फुटने लगा है। अंचल में युवतियों के साथ हो रहे दुराचार और अपराधी प्रवर्ती के लोगों का अड्डा बनता क्षेत्र को लेकर आमजन में आक्रोश उभर रहा है, जिसे लेकर सर्व हिंदू समाज ने एकजुट होकर नगर में आक्रोश रैली निकालते हुए मुख्यमंत्री और एसडीएम के नाम दो अलग-अलग ज्ञापन सौंपे। दोनो ही ज्ञापन में बाहरी आपराधिक व्यक्तियों के पेटलावद नगर सहित जिले में होने की बात कहते हुए उन पर कार्यवाही करने की मांग की गई। सर्व हिंदू समाज द्वारा आक्रोश रैली इसलिए निकाली गई कि पूर्व में कई बार प्रशासन को इस संबंध में अवगत कराया गया। किन्तु प्रशासन द्वारा आजतक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

निकली गई आक्रोश रैली

सोमवार को सुबह 11 बजे से सर्व हिंदु समाज के लोग स्थानीय शंकर मंदिर पर एकत्रीत होने लगे। जहां से भारी संख्या में भीड एकत्रीत होने के बाद सभी एक रैली के रूप में हाथों में तख्तीयां लेकर चल रहे थे। जिसमें नशा मुक्ति, लव जिहाद और आपराधिक लोगों से पेटलावद नगर को मुक्त करने की बात लिखी हुई थी। साथ ही कार्यकर्तागण भारत माता की जय और कार्रवाई की मांग करते हुए नारे लगा कर चल रहे थे। इस आक्रोश रैली में सबसे आगे दुर्गावाहिनी की महिला शक्ति चल रही थी उसके पीछे नगर के सभी समाज के वरिष्ठजन, युवा और कार्यकर्ता चल रहे थे। शंकर मंदिर से प्रारंभ रैली श्रद्वांजली चौक, पुराना बस स्टेंड, गणपति चौक, झंडा बाजार, गांधी चौक होते हुए तहसील कार्यालय पहुंची, जहां पर ज्ञापन का वाचन किया गया पश्चात मुख्यमंत्री और एसडीएम के नाम ज्ञापन नगर निरीक्षक दिनेश शर्मा और नायब तहसीलदार को सौंपा गया।

मुख्यमंत्री के नाम दिये गये ज्ञापन में मांग की गई कि, क्षेत्र में रह रहे ऐसे व्यक्ति जिनकी पहचान निश्चित नहीं और उनके आपराधिक मामलों में जुडे होने के संकेत है। उनके खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई की जाये। जिसमें थांदला में पकडे गये एक गंभीर अपराधी का हवाला देते हुए बताया गया कि, कई लोग अपनी पहचान छुपा कर रह रहे है।

सर्व समाज ने रखी मांगे

इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के नाम से दिये गये ज्ञापन में मांग की गई कि, संपूर्ण क्षेत्र व नगर में आये बाहरी लोगों की जांच हो, इसके साथ ही नगर में रह रहे सभी किरायेदारों की जानकारी संकलीत की जाये और जो लोग बाहर के है उनके मूल निवास से उनकी संपूर्ण जानकारी जुटाई जाये।

इसके साथ ही तीन वर्षो में जिन बाहरी लोगो ने स्थानीय निकायों में एपीएल, बीपीएल राशनकार्ड बनवाये है, आधार कार्ड बनाये है और जिनका नाम मतदाता सूची में जुडा है उनकी पूर्ण जांच की जाये और उनके पुराने किसी अपराधीक रेकार्ड की भी जांच की जाये। वहीं क्षेत्र में झाबुआ आरटीओ के अलावा अन्य नम्बर व बिना नम्बर प्लेट लगाकर संचालित हो रहे वाहनों की जांच की जाये। क्षेत्र में नशीले पदार्थो का सेवन और विक्रय करते हुए युवा पीढी को भटकाया जा रहा है। इन समस्त कृत्य करने वालों की जांच पडताल करते हुए इनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जावे। इसके साथ ही मुख्य चौराहो के साथ सरकारी और निजी स्कूलों के आसपास ऐसे युवा जो स्कूली छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार करते है व कई बार मोबाइल में संदिग्ध लोगों के द्वारा क्षेत्र की महिलाओं के आपत्तीजनक विडीयों और फोटो आदि भी बनाये जाने की घटनाये बड रही है, ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की जावे।

कार्रवाई नहीं होन पर चरणबद्व होगा आंदोलन

सर्व समाज के कार्यकर्ताओं का कहना है कि, समस्त तथ्यों की जांच एवं कार्रवाई हेतु जिला एवं अनुभाग स्तर पर पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, नगर परिषद और ग्राम पंचायत की सयुक्त टीम बनाई जावे और 1 माह में कार्रवाई की जाये और प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई को मिडिया के माध्यम से सार्वजनीक किया जाये। इसके साथ ही कहा गया कि, ज्ञापन के 15 दिन के भीतर यदि सयुक्त दल गठित करते हुए कार्रवाई नहीं की गई तो सर्व हिंदु समाज पेटलावद अपने ज्ञापन में उल्लेखित मांगो के लिए चरणबद्व आंदोलन करेगा।

ससुराल में युवक टेंट के पाईप के फंदे पर मिला लटका, युवक की हत्या या आत्महत्या की जांच मे जुटी पुलिस

माही की गूंज खवासा।

ग्राम भामल के वडलीपाड़ा फलिया के निवासी एक युवक ने अपने ससुराल में मान के कार्यक्रम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली की बात सामने आ रही है। लकिन मामला हत्या या आत्महत्या है यह संशय बना हुआ है।

रावटी थाने से मिली जानकारी अनुसार, कुंवरपाड़ा गांव मे अपने साले के लडके की मान के कार्यक्रम मे वडलीपाड़ा का युवक राजू पिता मानसिंह निनामा 30 वर्ष ने मान के कार्यक्रम मे फ़ासी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालाकी परिजनों का कहना है कि, यह आत्महत्या नहीं हत्या है, पुलिस निष्पक्षता से जाँच करे और घटना का खुलासा करे। वही मोके पर कोई भी सुसाइड नोट पुलिस को बरामद नहीं हुआ है। बताते हैं युवक, मान के कार्यक्रम में ससुराल गया था और चार दिन से वही रह रहा था। करीब 2 साल पहले उसका विवाह रावटी थाने के कुंवरपाड़ा गांव मे हुआ था। संतोष से उसकी शादी हुईं थी और उनकी सालभर की एक लडकी है। युवक के साले दिनेश भाबर के 1 वर्ष के लडके के मान उतारने के कार्यक्रम में दोनों पति-पत्नी सम्मिलित हुए थे। सोमवार के दिन मान का कार्यक्रम हुआ और रात को सभी ने साथ में खाना खाया और सो गए। सुबह 5 बजे संतोष के पिता पुना भाभर उठा तो देखा राजू टेंट के पाईप पर से लटकी रसी के फंदे पे लटका हुआ था। सूचना पर रावटी थाना पुलिस पहुंची और शव उतरवाकर मेडिकल कॉलेज में पीएम करवाने के बाद परिजनों को शव सुपुर्द किया। जहां परिजनों ने भांमल के वडलीपाड़ा में युवक का अंतिम संस्कार किया।

मामले मे रावटी थाने के सहायक उप नीरक्षक इरफ़ान खान ने बताया कि, मर्ग कायम किया है, पीएम होने के बाद परिजनों को शव सुप्रद्र किया गया। हत्या या आत्महत्या है यह जाँच पुलिस द्वारा की जा रही है।

श्री सत्यवीर तेजाजी महाराज का पाँच दिवसीय जन्मोत्सव हुआ सम्पन्न

माही की गूंज, थांदला।

तेजाजी न्यास मण्डल, राठौड़ समाज और भक्तजनों ने श्री सत्यवीर तेजाजी महाराज का पाँच दिवसीय जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। इस आयोजन की शुरुआत 7 से 9 फरवरी तक प्रत्येक शाम को तेजाजी महाराज के नाटक के मंचन से हुई, जो स्थानीय पिपली चौराहे पर किया गया। इस मंचन में तेजाजी भक्त मंडल के अध्यक्ष लक्ष्मण राठौड़, बसंतीलाल राठौड़, लाला उदयचंद, कन्हैयालाल हीराजी राठौड़, युवा आशुतोष, योगेश, रवि, यश सहित अन्य ने भाग लिया। मंचन के दौरान राठौड़ समाज के वरिष्ठ संस्थापक स्व. रामजी राठौड़, स्व. फकीरचंद राठौड़ और उनके द्वारा किए गए सामाजिक योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

10 फरवरी को तेजाजी महाराज की कथा का आयोजन प्रसिद्ध तेजाजी मंदिर पर हुआ, जिसमें सुनील रामजी और पुजारी जमनालाल राठौड़ द्वारा भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। भक्तों ने भक्ति रस का आनंद लिया और तेजाजी महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

आयोजन का समापन 11 फरवरी को महाआरती और भण्डारे के साथ हुआ। इस भण्डारे में नगरवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और धर्म लाभ प्राप्त किया।

तेजाजी न्यास मण्डल के सचिव पंकज जागीरदार, उपाध्यक्ष तेजमल फकीरचंद राठौड़, कोषाध्यक्ष तेजमल शंकरलाल राठौड़ और अन्य पदाधिकारियों ने नगरवासियों का सहयोग करने और आयोजन में भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया।

संत शिरोमणी रविदास जयंती पर निकली शोभा यात्रा

माही की गूंज, मदरानी। जितेन्द्र राठौर

सर्व हिन्दू समाज ने संत शिरोमणि रविदास की जयंती मनाई। संत रविदास अपनी वाणी के माध्यम से आध्यात्मिक, बौद्धिक व सामाजिक क्रांति का सफल नेतृत्व किया। इस मौके पर गांव में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में युवक-युवतियों ने गरबा रास भी किया। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने शोभा यात्रा में हिस्सा लिया और संत शिरोमणी रविदास के दर्शन किए।

वही संत रविदास के कार्यकर्ताओं ने जानकारी दी कि, श्रीराम जानकी रविदास मंदिर से संत शिरोमणि रविदास जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैंड-बाजे, ढोल के साथ शोभायात्रा में संत रविदास जी के चित्र को आकर्षक तरीके से सजाया गया था।

शोभायात्रा गांव के मुख्य मार्ग से होती हुई वापस श्रीराम जानकी रविदास मंदिर पर पहुंची। जहां महाआरती और महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

बता दे कि, संत रविदास जयंती हर वर्ष माघ पूर्णिमा को मनाई जाती है। संत रविदास एक महान भक्ति संत, समाज सुधारक और कवि थे, जिन्होंने जातिवाद और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। उनके द्वारा दिया गया प्रेम, एकता और भक्ति का संदेश आज भी लोगों को प्रेरित करता है। संत रविदास का जीवन और उनकी शिक्षाएं हमें समाज में समानता, प्रेम, भक्ति और सादगी का महत्व सिखाती हैं। उनके दोहे आज भी प्रासंगिक हैं और मानवता को सही दिशा दिखाते हैं। संत रविदास जयंती पर हमें उनके संदेशों को आत्मसात कर समाज में सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए।

जन्म और प्रारंभिक जीवन

संत रविदास का जन्म 15वीं शताब्दी में उत्तरप्रदेश के वाराणसी में हुआ था। वे एक चर्मकार परिवार में जन्मे थे, लेकिन उन्होंने सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर भक्ति मार्ग अपनाया और समाज में समानता का संदेश दिया।

शोभायात्रा में शंकर चौहान, रघुनाथ धामनिया, अनिल चौहान, मुकेश धामनिया, मणिलाल चौहान, संघ परिवार से निलेश कटारा, हितेंद्र पंचाल, डॉ रवींद्र सिसौदिया, विपुल प्रजापत, स्थानीय शाखा टोली सहित नगर के गणमान्य नागरिक, माता बहनें मौजूद थे।

संस्कृति, सभ्यता पर अश्लील अभद्र और आपत्तीजनक कंटेंट का घातक खेल, सोशल मीडिया राक्षसों से समाज को क्षति

माही की गूंज, झाबुआ। रिंकेश बैरागी

कानून अपने अनुसार कार्रवाई करेगा, समाज भी अपने स्तर पर फुहड़ता वाले शोज् को दे सकता है सजा।

अभिव्यक्ति के नाम की आजादी पर चिल्लाने वाले और समर्थन एकत्र करने वालों के षड़यंत्र से अंभिज्ञ नागरिक उस समय उनका साथ दे रहें थे, लेकिन जैसे ही षड़यंत्रकारियों ने अपना जाल बिछाकर भारतीय समाज के नवयुवको को फांसना शुरु कर दिया तब वे नागरिक भी अश्लील वैचारिक गतिविधियों के विरोध में सामने नहीं आ पाए, जिन्होंने पहले उनका समर्थन किया था। वर्तमान में उसका परिणाम यह हुआ है कि, सोशल मीडिया प्लेटफार्म ओटीटी और यूट्युब पर ऐसे क्रिएटरस जमा होने लगे जो समाज की सभ्यता को भ्रष्ट कर नष्ट करने के क्रिया कलापो में गति लाने लगे है। आज वह समय आ गया जब युवाओ के सामने ऐसे शौ आ रहे है जिसमें न तो भाषा की मर्यादा है न ही मानवियता की और न ही रिश्तों की।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को ढाल बनाकर अपने विचारो को लिखकर या बोलकर प्रकट करने वालों पर पहले ही समाज नकेल कस देता तो आज यूट्युब पर किसी माता-पिता पर अश्लील वार्ता करने वाले शौ नहीं देखने पड़ते।

भारतीय संस्कारों का अपमान करने वाले अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले बहुत से चैनल यूट्युब पर धड़ल्ले से चल रहे हैं और युवा चोरी छुपे उन अश्लीलता से भरे शौज् और प्रोग्रामस् को देख रहे हैं। उन युवाओ के पेरेंट्स कार्य प्रगति में इस तरह लीन होते है कि उनको इस बात की भनक भी नहीं रहती कि, उनका बच्चा किन-किन कंटेंटस् को देखकर अपने भविष्य को संस्कारों की प्राणवायु से दूर कर रहा है।

समाज में अश्लीलता फैलाने की श्रेणी में पहुंचने पर स्वयं को ये कंटेंट क्रीएटर दोषी भी नहीं मानते। इनको तो अपने कार्यक्रमों पर लाखो करोड़ो व्यूज् की चाहत नग्नता परोसने पर लालायित कर देती है। लालच में ये दुष्ट क्रीएटर सारी सीमाओ को लांघकर व्युज् पाने के लिए नग्न, गंदे, अभद्र भाषा और रिश्तों में अश्लीलता वाले बार्डकास्ट तैयार करते हैं।

ऐसे शौज् बहुत ही आसानी से बन रहें हैं जिनमें निर्लज्जता के साथ अपशब्दों का उपयोग किया जाता है। युवतियां भी नग्नता परोसने में पीछे नहीं होती, साथ ही अश्लील वाक्यों के साथ अभद्र और आपत्तीजनक कमेंटस् तुरंत पास करती है।

ऐसे शौ भी देखने में आए है जिनमें युवती खड़े होकर सभी के सामने अपने ही बॉय फ्रेंड को बहुत बार धोका देने की कहानी ऐसे सुनाती है जैसे वह कोई बहुत बड़ा कार्य कर आई होती है।

नए विवाद पैदा करना, अश्लील वार्ता को प्रमुखता देना, रिश्तो की मर्यादा को छीन्न-भिन्न करना, और तो और माता-पिता के रिश्ते को अश्लीलता में लाकर उस पर आपत्तीजनक बातचित करना, इस तरह स्वयं को और शौ को बढ़ावा देना कहां तक उचित है। क्या अभिव्यक्ती की आजादी का यह अर्थ है... क्या समाज में इस तरह फुहड़ता फैलाने के लिए युवाओ को स्वतंत्रता चाहिए... या फिर सरकार इसीलिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान कर रही है कि, समाज में दुष्टजन कुकृत्य प्रसारित करे...?

भारतवर्ष में श्रवण कुमार जैसे पुत्र हुए जिन्होंने माता-पिता को देवतुल्य माना। जहां श्रीराम ने पिता के एक वचन के पालन में सर्वत्र त्याग दिया। जहां माता प्रथम गुरु तो पिता पुरुषार्थ दाता है। उस देश में इस तरह से रिश्तों की मर्यादा को अश्लीलता में लिप्त करने वालो पर कार्रवाई कर कानून को कड़ी से कड़ी सजा देना चाहिए। जिससे अन्य कोई समाज में जब भी अश्लीलता फैलाने का षड़यंत्र रचे तो वह सारे कदम पीछे कर ले। साथ ही साथ ऐसे कंटेंट क्रीएटरस् को समाज ऐसी सजा दे कि, अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर समाज में नग्नता फैलाने का कोई सोच भी न पाए। समाज दण्ड के रुप में इन सभी अश्लील क्रीएटरस् को अनसबस्क्राइब, अनफोलो, कर रिपोर्ट करे, और एक आंदोलन के माध्यम से समाज के सोशल मीडिया के इन राक्षसो का नाश हो सके।

हालांकि, जब सोशल मीडिया पर अश्लीलता वाले शौ का विरोध शुरु हुआ, तो शौ के संचालक और साथी ने माफी मांगी मगर माफी मांगने से क्या होता है। आयना टुट जाने पर फिर से जुड़ तो नहीं सकता। अश्लीलता फैलाने वालो में एक वो है जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने हाथो से कंटेंट क्रीएटर का आवार्ड दिया था।

बहरहाल तीनों पर एफआईआर हो चुकी है। पुलिस ने दो को गिरफ्तार भी कर लिया है। उस शौ को बंद भी करवा दिया गया है। किंतु क्या इतना भर कर लेना ही समस्या का समाधान तो नहीं होता। क्योंकि समाज में अश्लीलता फैलाने वाले सोशल मीडिया के दानव देश के कौने-कौने में पसर चुके हैं। सरकार को इसके समाधान में उचित कदम उठाने की आवश्यकता है। वहीं इंडिया गॉट लेटेण्ड शौ के सभी प्रतिभागी, दर्शक, संचालक, अतिथि, यहां तक की हर सहयोगी पर एफआईआर होना चाहिए।

रिंकेश बैरागी

जब हिंसा कंट्रोल के लिए सोशल मीडिया पर सेटींग है, यदि आपका वीडियो किसी प्रकार की हिंसा को प्रकट करता है तो उसे वहीं रोक दिया जाएगा। उस कंटेंट को ब्लॉक कर दिया जाएगा। तो सोशल मीडिया पर अश्लीलता फैलाने वाले या अभ्रद्रता फैलाने वाले वीडियो पर रोक लगकर उन्हें ब्लॉक करने जैसी सेटींग क्यों नहीं की जा सकती। क्या अश्लीलता फैलाना, आपत्तीजनक, या अभद्रता का उपयोग करना समाज के लिए घातक नहीं है...?

संपादकीय

देर से उठाया कदम, शांति हेतु काफी नही - मुख्यमंत्री का इस्तीफा

भले ही यह कदम अनिवार्य परिस्थितियों के कारण उठाया गया हो, मणिपुर के विवादित मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अपनी दिल्ली में ऐतिहासिक चुनावी जीत को धूमिल होने से बचाने के इरादे से यह कदम उठाया। पिछले एक माह से भी अधिक समय तक हिंसा में हुई मौतों और विस्थापन पर सार्वजनिक माफी मांगने के बाद भी बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा देने में काफी देर की। दरअसल, उनका यह प्रयास अधिक प्रभावी नहीं रहा। हाल ही में लीक हुआ एक ऑडियो टेप भी उनके खिलाफ अहम साक्ष्य के रूप में सामने आया है, जिसमें उनकी कथित बातचीत में जातीय हिंसा भड़काने की भूमिका उजागर होती है। इस टेप को सत्यापन के लिए केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया है, और सुप्रीम कोर्ट ने सीलबंद लिफाफे में इसकी रिपोर्ट मांगी है।

मणिपुर में विपक्षी दलों द्वारा बीरेन सिंह को हटाने की मुहिम में सत्तारूढ़ पार्टी के कुछ विधायकों के शामिल होने के संकेत के बीच उनके इस्तीफे को एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है। उनकी विदाई से पार्टी और राज्य सरकार की छवि को काफी नुकसान हुआ है, और यह इस्तीफा काफी देर से आया है। मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा में लगभग ढाई सौ लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। राज्य सरकार की विफलता के कारण यह स्थिति और भी बिगड़ी है। हिंसा के बाद बीरेन सिंह को हटाने की मांग को नजरअंदाज किया जाता रहा, और विपक्ष ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को भी घेरा।

अब यह सवाल उठता है कि क्या मुख्यमंत्री का बदलना वास्तव में किसी जमीनी बदलाव का कारण बनेगा? क्या नया नेतृत्व जातीय हिंसा की जड़ में जाकर दोनों समुदायों के बीच बढ़ी खाई को पाटने में सक्षम होगा? मणिपुर के लोग न्याय और शांति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में, केंद्रीय सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी बनती है कि वह राज्य में शांति और सद्भाव की स्थापना के लिए मजबूत कदम उठाए, ताकि लोगों का विश्वास पुनः बहाल हो सके।

दूसरी ओर, बजट सत्र को टालने से राज्य में राष्ट्रपति शासन की संभावना भी जताई जा रही है। राज्य में दोनों समुदायों के बीच अविश्वास का गहरा आधार बन चुका है, और इस स्थिति में शीघ्र सुलह की उम्मीदें कम हैं। कुकी समुदाय अपनी अलग प्रशासनिक व्यवस्था की मांग करता रहा है, जबकि मैती समुदाय इसका विरोध करता है। इस बीच, राज्य की प्राथमिकता शांति व्यवस्था को स्थापित करना होनी चाहिए, ताकि विस्थापित लोग अपने घरों को लौट सकें। साथ ही, सुरक्षा बलों द्वारा दोनों समुदायों से लूटे गए हथियारों की बरामदगी भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, और पुलिस पर भेदभाव के आरोप भी लगातार लगाए जा रहे हैं। यह वक्त बताएगा कि बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद नया नेतृत्व राज्य की स्थिति को सामान्य करने में किस हद तक सफल होता है।

सवाल यह भी है कि क्या राज्य विधानसभा के आगामी चुनाव समय पर हो पाएंगे? इन घटनाओं के मद्देनजर राज्य में निष्पक्ष और संवेदनशील शासन की आवश्यकता है, ताकि जनता के आहत दिलों पर मरहम लगाया जा सके। भले ही बीरेन सिंह ने राजनीतिक दबाव में इस्तीफा दिया हो, लेकिन इस कदम से शांति की संभावनाओं को कुछ संबल जरूर मिलेगा, खासकर उन लोगों को, जो पूर्व मुख्यमंत्री पर पक्षपाती होने के आरोप लगाते रहे हैं।

क्या कांग्रेस वाकई एक डूबता जहाज है ?

भारत को 2014 में मिली असली आजादी के बाद भाजपा से लगातार जूझ रही कांग्रेस को दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता द्वारा नकारे जाने के बाद क्या ये लगने लगा है कि -कांग्रेस अब एक डूबता जहाज है और अब कोई दूसरा दल इस पर सवारी नहीं करना चाहेगा ? सवाल जायज भी है और इस पर विमर्श भी होना चाहिए। बल्कि यूं कहें कि इस मुद्दे पर विमर्श शुरू भी हो चुका है। 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए तृणमूल कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन में रहने या कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने से इंकार कर इस विमर्श का श्रीगणेश कर दिया है।

इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि देश में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ मोर्चा लेने में कांग्रेस शुरू से अग्रणीय रही है। 2014 के लोकसभा चुनाव में मात्र 44 सीटों पर सिमटी कांग्रेस ने मैदान नहीं छोड़ा। भाजपा ने तब 286 सीटें अकेले दम पर जीती थीं। पांच साल लगातार विपक्ष में बैठने के बावजूद कांग्रेस अपने ढंग से काम करती रही और 2019 के चुनाव में कांग्रेस 44 सीटों से बढ़कर 52 सीटों पर आ गयी। कांग्रेस के लिए हालाँकि ये कोई बड़ी उपलब्धि नहीं थी ,लेकिन कुल 8 सीटें ज्यादा हासिल कर कांग्रेस को थोड़ी -बहुत ऊर्जा जरूर मिली। डूबते को तिनके का सहारा होता है।

लगातार दूसरी जीत के बाद भाजपा की चाल,चरित्र और चेहरे में अप्रत्याशित रूप से बदलाव आया। भाजपा ने अपने दूसरे कार्यकाल में पूरी ताकत से अपने एजेंडे पर काम करना शुरू किया। जम्मो-कश्मीर से धारा 370 हटाई, अयोध्या में राममंदिर बनाने का रास्ता साफ़ कर मंदिर का निर्माण कार्य शुरू कर उसे पूरा भी किया और लगातार एक के बाद एक राज्यों में अपनी बढ़त बनाई ,लेकिन कांग्रेस पीछे नहीं हटी। कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों के साथ भाजपा के दांत खट्टे करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भाजपा की नफरत के मुकाबले मुहब्बत की दूकान खोली। पूरे देश में दो बार पदयात्रा कर जन-जागरण की कोशिश की ,परिणाम स्वरूप 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस जहाँ 52 से आगे बढ़कर 99 पर पहुंची ,वहीं भाजपा का 400 पार का सपना चकनाचूर हो गया और भाजपा 240 पर सिमिट गयी।

भारत की राजनीति में कांग्रेस का उत्थान और पतन होता ही रहा है। एक लम्बी दास्तान है कांग्रेस के उत्थान और पतन की। 4 जून 2024 के बाद पिछले 9 महीने में देश में जितने भी विधानसभाओं के चुनाव हुए हैं उनमें से कर्नाटक,केरल,हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड को छोड़ कांग्रेस कहीं भी भाजपा का विजय रथ नहीं रोक सकी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में तो कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ़ हो गया ,और इसी के साथ कांग्रेस की अगुवाई में बने आईएनडीआईए यानि इंडिया गठबंधन में विखराव

शुरू हो गया। दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस का साथ और हाथ दोनों छोड़े और सत्ता से बाहर हो गयी। महाराष्ट्र में भी भाजपा ने कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। हरियाणा में भी कांग्रेस के जीत के सपने को तोड़ा और अब उसका निशाना कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन भी है।

भाजपा बिहार में विधानसभा के चुनाव से पहले कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की कमर तोड़ देना चाहती है। बिहार में चुनाव इसी साल अक्टूबर में होना है। अगले साल बंगाल का नंबर है। बिहार विधानसभा चुनावों से पहले बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करने से इंकार कर दिया है। बिहार में कांग्रेस का राजद से गठबंधन है। यहां क्या होगा कहना कठिन है। लेकिन कांग्रेस के लगातार अकेले पड़ने की वजह से जहाँ देश में क्षेत्रीय दल एक-एककर भाजपा के शिकार बन रहे हैं वहीं कांग्रेस के वजूद पर भी प्रश्नचिन्ह भी लगते जा रहे हैं। ये तय है कि कांग्रेस जिस मुखरता से हार-जीत की परवाह किये बिना भाजपा का मुकाबला कर रही है उतनी दम देश के किसी और राजनीतिक दल में नहीं है। कांग्रेस का साथ न देकर बीजद ने उड़ीसा खोया है तो आम आदमी पार्टी ने दिल्ली गंवा दी है और यदि तृणमूल कांग्रेस भी यही गलती करती है तो तय मानिये की उसका हश्र भी बीजद और आम आदमी पार्टी जैसा ही होगा।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी 2026 का विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। कांग्रेस के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन से उन्होंने इनकार किया है, क्योंकि उसने कांग्रेस को डूबता जहाज मान लिया है। लेकिन सवाल ये है कि क्या सचमुच ममता बनर्जी की पार्टी जैसा सोच रही है वैसा ही दूसरे विपक्षी दल भी सोच रहे हैं ? अभी तक उद्धव ठाकरे की शिव सेना हो या तेजस्वी यादव की राजद या अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ,इन सभी ने कांग्रेस का न हाथ छोड़ा है और न साथ। जब तक ये सभी कांग्रेस के साथ हैं तब तक कांग्रेस को डूबता जहाज मानना टीएमसी की एक भूल के सिवाय कुछ भी नहीं है। आपको बता दें की ममता बनर्जी ने अपने विधायकों और मंत्रियों से कहा कि टीएमसी 294 सीटों वाली राज्य विधानसभा में दो-तिहाई बहुमत के साथ 2026 का चुनाव अपने दम पर जीतेगी।

राकेश अचल

मुझे न ममता बनर्जी के आत्म विश्वास पर संदेह है और न कांग्रेस के डूबने को लेकर कोई शक। लेकिन मेरा मानना है कि कांग्रेस विहीन भारत की कल्पना को साकार करने में भाजपा को अभी लम्बी लड़ाई लड़ना पड़ेगी। कांग्रेस का डीएनए अमीबा जैसा है। अमीबा कभी मरता नहीं है। अमीबा जितना विखंडित होता है उतना ही विकसित होता जाता है। कांग्रेस पिछले सवा सौ साल में दर्जनों बार विभाजित,पराजित हुई है लेकिन समाप्त नहीं हुई ,अर्थात उसका जहाज कभी भी टाइटेनिक की तरह समुद्र की सतह में नहीं समाया। कांग्रेस डूबकर भी हर बार सतह पर आयी है। न भी आये तो देश कहीं जाने वाला नहीं है।

कांग्रेस विहीन भारत कैसा होगा इसकी कल्पना न ममता बनर्जी को है और न अरविंद केजरीवाल को। जिन्हें है वे कांग्रेस के साथ खड़े हैं ,जिन्हें जाना है वे जायेंगे भी। कांग्रेस शायद ही जाने वालों की चिरोरियाँ करे। कांग्रेस को लड़ने की आदत है ,चिरोरियाँ करने की नहीं। कांग्रेस का मौजूदा नेतृत्व कांग्रेस की दशा-दुर्दशा की समीक्षा खुद करेगा। नहीं करेगा तो भाजपा के गाल में समा जाएगी कांग्रेस। लेकिन ऐसा समय कब आएगा ,कहना कठिन है। हमें अभी अक्टूबर में बिहार का घमासान भी देखना है और अगले साल बंगाल का भी। भविष्य में किसका जहाज डूबेगा और किसका नहीं ये देखना बाकी है।

ट्रंप ने सारी दुनिया में गिराई अमेरिका की साख

सनत कुमार जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी भ्रष्ट आचरण कानून पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। ट्रंप के इस आदेश के बाद विदेश में व्यापार या ठेका हासिल करने के लिए अब अमेरिकी कंपनी द्वारा रिश्वत देना अपराध नहीं होगा। अभी तक अमेरिकी कानून के अनुसार यह एक बड़ा अपराध था, जिसके कारण अमेरिकी सरकार अथवा अमेरिका की कंपनियां जो सारी दुनिया के देशों में जो व्यापार करती थी, इस कानून से यह संदेश जाता था, अमेरिका की कंपनियां अन्य देशों में रिश्वत नहीं देती हैं। जिसके कारण अमेरिका की सरकार और अमेरिकी कंपनियों की साख पूरी दुनिया के देशों में बनी हुई थी। लुके-छुपे तौर पर यदि कोई कंपनी या व्यक्ति इस तरीके की कोशिश करता था, ऐसी स्थिति में अमेरिकी कानून के अनुसार उसे आर्थिक तथा आपराधिक मामलों में सजा से दंडित किया जाता था। ट्रंप ने जो निर्णय अभी लिया है, उससे सारी दुनिया के देशों में यह संदेश गया है। अमेरिका की कंपनियां अपने लाभ के लिए दुनिया के किसी भी देश के राजनेता, अधिकारियों या कारोबारियों को रिश्वत देकर ठेका हासिल कर सकती हैं। रिश्वत देकर सामान खरीदने-बेचने के कांटेक्ट हासिल कर सकती हैं। अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों को इस निर्णय से सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है। किसी भी देश में अमेरिका की कंपनियों से व्यापार या कारोबार किया जाएगा, वह सभी शक के दायरे में होंगी। जिन देशों के कारोबारी या सरकारें अमेरिकी कंपनियों से खरीददारी करेंगी, उन्हें भी शक की निगाह से देखा जाएगा। ट्रंप का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है, जबकि अमेरिकी कानून के अनुसार भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी सहित आठ लोगों के ऊपर अमेरिका में अपराधिक मामला दर्ज है। 21 नवंबर 2024 को अमेरिका की कोर्ट में 2200 करोड़ रुपए की घूस के मामले में गौतम अडानी और अन्य के खिलाफ वारंट जारी हो चुके हैं। वारंट जारी होने के बाद से गौतम अडानी अमेरिका नहीं जा पा रहे हैं। उनका व्यवसाय पूरी दुनिया में प्रभावित हुआ है। गौतम अडानी ने अमेरिकी कानून से बचने के लिए वहां के सांसदों को अपनी पैरवी में उतारा था। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अडानी को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर भी राजनायिक और कूटनीतिक संबंधों का इस्तेमाल कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के पहले भारत सरकार ने जिस तरह से आयात-निर्यात व्यापार में अमेरिका के पक्ष में शुल्क को घटाया है, वह सब अडानी समूह की राहत से जोड़कर देखा जा रहा है। ट्रंप और एलन मस्क की जोड़ी की राजनेता के स्थान पर एक कारोबारी के रुप में पहचान है। दोनों ही अपने निजी कारोबार एवं फायदे को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी सरकार के निर्णय कर रहे हैं। गौतम अडानी और भारतीय कारोबार पर एलन मस्क की भी नजर है। डोनाल्ड ट्रंप भी भारत में अपना कारोबार बढ़ाने के प्रयास में लगे हुए हैं। गौतम अडानी की गर्दन पूरी तरह से अमेरिका के शिकंजे में फंस गई है। भारत सरकार किसी भी कीमत पर गौतम अडानी को अमेरिकी कानून के चक्कर से बचाना चाहती है। अडाणी को बचाने के चक्कर में भारत को काफी आर्थिक नुकसान उठाने पड़ेंगे। दीर्घकालीन कई ऐसे समझौते हो सकते हैं, जिसके कारण भारत के हित बुरी तरह से प्रभावित होंगे। अमेरिका को भी अभी तक का सबसे बड़ा नुकसान होने की आशंका बन गई है। डोनाल्ड ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका की नैतिकता और पारदर्शिता पूरी तरह से दुनिया के देशों में खत्म होगी। ट्रंप के वर्तमान निर्णयों से अमेरिका की छवि एक गैंगस्टर की तरह बनने लगी है। जो लाभ के लिए किसी भी स्तर पर जाकर नैतिक और अनैतिक काम करने से पीछे नहीं हटता है। अमेरिका से कारोबार करने वाले अन्य देशों के राजनेताओं और कारोबारियों के ऊपर रिश्वतखोरी के आरोप बड़े पैमाने पर लगेंगे, जिसके कारण दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार का वातावरण बढ़ेगा। अमेरिका को इतना बड़ा नुकसान इसके पहले कभी नहीं हुआ, जो अब हो सकता है। एक बार अमेरिका की छवि रिश्वत देकर कारोबार करने की बन गई, तो दुनिया के सभी देश अमेरिका के साथ दूरियां बनाना शुरू कर देंगे। अमेरिका अभी दुनिया का बादशाह बना हुआ है। ट्रंप के इस निर्णय से अमे?रिका की बादशाहत खतरे में पड़ जाएगी। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। जल्द ही इसके परिणाम अमेरिका को भोगना पड़ सकता है। जिस तरह से ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत हुई है। उसके बाद कहा जाने लगा है, जिस तरह से सोवियत रूस, रेत के महल की तरह भरभरा कर गिरा था। उसी स्थिति में अब अमेरिका ने सफर शुरु कर दिया है।

रिश्तो में अश्लीलता घोलता सोशल मीडिया

इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने माता-पिता की गरिमा को आहत करने वाली अश्लील, अपमानजनक एवं विवादास्पद टिप्पणी करते हुए भारतीय संस्कारों एवं संस्कृति को धुंधलाने का घिनौना एवं अक्षम्य अपराध किया है। भले ही इस टिप्पणी के लिए माफी मांगी गयी हो, लेकिन रणवीर ने हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब रियलिटी शो इंडियाज गाट लैटेंट में एक प्रतियोगी से उसके माता-पिता और यौन संबंधों को लेकर सवाल करते हुए यह आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसको लेकर विवाद भड़क गया, लोगों के गहरा आक्रोश है। सामाजिककर्मियों के साथ-साथ विभिन्न दलों के राजनेता ने इसकी तीव्र आलोचना करते हुए पॉडकास्ट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इस मामले पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यूट्यूब को नोटिस जारी किया है। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी सक्रिय हुआ है। इस शो में माता-पिता, महिलाओं और उनके शरीर के बारे में अभद्र एवं अश्लील टिप्पणियां की गई थीं। इसलिये रियलिटी कामेडी शो के निर्माताओं, जजों और प्रतिभागियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा और अश्लील सामग्री के इस्तेमाल को लेकर मुंबई पुलिस के साथ-साथ देश में अन्य स्थानों पर शिकायत दर्ज कराई गयी है। सोशल मीडिया से लेकर हर जगह रणवीर की थू थू हो रही है। हर कोई उनके खिलाफ आवाज उठा रहा है और जेल भेजने की मांग कर रहा है।

तथाकथित रणवीर इलाहाबादिया के एक्स पर छह लाख से अधिक फालोअर, इंस्टाग्राम पर 45 लाख से अधिक फालोअर और यूट्यूब चैनल पर 1.05 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। इलाहाबादिया उन ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स में से एक हैं, जो ऐसे अश्लील एवं संस्कृति-विरोधी प्रदर्शन से करोड़ों रुपये भी कमाते है, जिन्हें पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय क्रिएटर्स पुरस्कार मिला था। पिछले दिनों उन्होंने डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के साथ मिलकर कई कैबिनेट मंत्रियों का साक्षात्कार लिया था। इसके अलावा साल 2022 में उनका नाम फोर्ब्स अंडर 30 एशिया लिस्ट में भी आया था। 22 साल की उम्र में रणवीर ने अपना पहला यूट्यूब चैनल शुरू किया था, आज वह सात चैनलों को चला रहे हैं। पाकिस्तान से भारत आये रणवीर इलाहाबादिया का पूरा नाम रणवीर सिंह अरोड़ा है। लेकिन लोग उन्हें रणवीर इलाहाबादिया के नाम से जानते हैं। माता-पिता पर विवादित कमेंट करने से पहले रणवीर इलाहाबादिया कई बार सोशल मीडिया पर बवाल मचा चुके हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है। उनके विवादास्पद बयानों की वजह से उन्हें एक बार जिम से भी बैन किया गया था। इतना ही नहीं, वो लड़कियों के कपड़ों पर भी विवादित कमेंट करने की वजह से हेडलाइन्स बटोर चुके हैं। लेकिन ऐसे विकृत सोच रखने वाले लोगों को ऐसे बड़े सम्मान मिलना भी अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है। क्योंकि यह अभिव्यक्ति की आजादी का बेहूदा, आपत्तिजनक एवं अमर्यादित उपयोग है, यह रचनात्मकता नहीं है, यह विकृति है और ऐसे विकृत व्यवहार को सामान्य नहीं माना जा सकता। विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण तो यह स्थिति भी है जिसमें इस खराब टिप्पणी को जिस तरह आम लोगों की जोरदार तालियां मिलीं। प्रश्न है कि आखिर हम कैसा समाज बना रहे हैं? क्यों हम अपनी संस्कृति एवं संस्कारों को घूमिल कर रहे हैं।

स्मार्टफोन आने के बाद से सोशल मीडिया का प्रयोग लगातार बढ़ता ही जा रहा है। और जैसे-जैसे इसका प्रयोग बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सकारात्मक के साथ-साथ इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते जा रहे हैं। जो कि भारतीय समाज, संस्कृति और परिवार परम्परा पर सीधे आघात कर रहे हैं। भारत विरोधी तत्वों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में भौतिक वासना, नग्नता, अश्लीलता की विकृति फैलाने का काम भी हो रहा है। इससे समाज के भीतर कुंठित वासना एवं बीमार मानसिकता को जन्म दिया जा रहा है, जिसे रोकने के लिए सरकार से लेकर प्रशासन और समाज को साथ आकर कड़े कदम उठाने होंगे। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर अनचाहे अश्लील दृश्यों की भरमार हो रही है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफार्म से होने वाली कमाई एक बड़ी वजह निकल कर सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर किसी भी सामान्य व्यक्ति के द्वारा अपना अकाउंट बनाकर ऐसा भी कंटेट अपलोड किया जा सकता है जिसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किसी प्रकार की कोई रोट टोक एवं पाबंदी नहीं है। इस प्रकार के सोशल मीडिया अकाउंट बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं। समाज में पैसे का लोभ दिखाकर अश्लील शार्ट फिल्म और वेब सीरीज का गौरखधंधा धडल्ले से चल रहा है। मोबाइल एप्स और ओटीटी वेब पोर्टल पर अश्लील एवं संस्कृति विरोधी कंटेंट निर्बाध रूप

से होना सरकार की बड़ी नाकामी है। यही कारण है कि ऐसे सभी प्रकार के मोबाइल एप्स और वेब पोर्टल पर भी सरकारी नियंत्रण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

तकनीक के माध्यम से भारतीय युवा एवं किशोर पीढ़ी को अपने जीवन के प्रारंभ के समय से ही कामवासना के जाल में फंसाकर उनके जीवन को गौण बनाने एवं धुंधलाने के प्रयास किये जा रहे हैं। युवा शक्ति राष्ट्र की प्रेरक शक्ति है। नैतिक मूल्यों के बिना ज्ञान न केवल बेकार हैं, बल्कि समाज के लिए भी खतरनाक हैं। यही कारण है कि हमारी युवापीढ़ी बड़ी दुविधा में है; उन्हें भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें दिग्भ्रमित किया जाता है, जिससे वर्तमान भारतीय समाज न केवल प्रभावित होता है, बल्कि यह भावी पीढ़ी के भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऐसे अनेक प्रकार के अश्लील कंटेंट देखे जा सकते हैं जिसमें अश्लीलता के माध्यम से भारतीय परिवार व्यवस्था को नष्ट करने का काम भी षडयंत्रपूर्वक किया जा रहा है। जिसकी चर्चा समाज के भीतर प्रबुद्ध लोगों को करने की आवश्यकता है ताकि समय पर जागरूकता के साथ समाज और परिवार को गर्त में जाने से रोका जा सकता है।

दरअसल, साल 2021 में रणवीर इलाहाबादिया ने महिलाओं के कपड़ों पर सेक्सिएस्ट कमेंट किया था, जिसकी वजह से उस समय भी सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया था। इस दौरान उन्हें लोगों ने बुरी तरह से ट्रोल किया था। उन्होंने एक ट्वीट करते हुए लिखा था कि कुर्ती पहनने वाली महिलाएं, पुरुषों को घुटने टेकने पर मजबूर कर देती हैं। रणवीर की इस पोस्ट के कारण उन्हें महिलाओं का भारी विरोध झेलना पड़ा। बावजूद इसके वे नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों में लगातार संलग्न रहे हैं। जो व्यक्ति सनातन धर्म और आध्यात्मिकता की बात करता है और बड़ी हस्तियों को अपने शो में बुलाता है, वह ऐसी विकृत मानसिकता कैसे रख सकता है?

शर्म जब बिकाऊ हो जाती है तब शर्म नहीं रहती, व्यापार हो जाती है। अभी तराजू के एक पलड़े में रुपया है और दूसरे पलड़े में नैतिकता, लज्जा, शालीनता, मूल्य और संस्कृति है। देह से जो पवित्र अभिव्यक्ति होती है, वह गायब है। देह को केवल चर्म मान लिया जाता है और चर्म का प्रदर्शन चर्म तक पहुंच गया है। बड़ी-बडी कम्पनियां इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म के सहारे अपना अश्लील उत्पाद बेच रही हैं और यूट्यूब जैसे कार्यक्रमों को प्रायोजित कर रही हैं। उनके लिए सब कुछ रुपया है। जीवन मूल्यों एवं संस्कृति से कोई लेना-देना नहीं है। बहुत विस्फोटक स्थिति हो गई है। अगर ऐसे विकृत मानसिकता के लोगों की विकृति प्रसार की घटनाओं को नजरअंदाज किया गया तो अगली पीढ़ी का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। भारतीय संस्कृति को बचाने और लोगों को अच्छी चीजों के लिए प्रेरित करने के लिये सोशल मीडिया सशक्त माध्यम बन सकता है, लेकिन ऐसे रणवीर इलाहाबादिया से सोशल मीडिया को मुक्त करके ही यह संभव है।

ललित गर्ग

सोशल मीडिया को नैतिक, मर्यादित एवं शालीन बनाने की जरूरत है। नैतिक मूल्यों का ह्रास होना नये भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत की एक बड़ी बाधा है। क्योंकि अधिकांश युवा पीढ़ी धीरे-धीरे नैतिक मूल्यों की अवहेलना कर रही हैं। यही कारण आप अपने माता-पिता के बारे में किस तरह की बातें शेयर कर रहे हैं? क्या ये कॉमेडी है? ये बिल्कुल भी कॉमेडी नहीं है। ये स्टैंड-अप कॉमेडी नहीं हो सकती। लोगों को गाली देना सिखाना, अश्लीलता परोसना, नारी की अस्मिता को कुचलना एवं माता-पिता की छवि को धुंधलाना ऐसी विकृतियां हैं जो देश को संस्कृति-विहीन बनाती है, कमजोर करती है।

किसान को चाकू दिखा महिला के साथ बनाया वीडियो, फिर स्टाम्प पर नाम करवा लिया घर

माही की गूंज, मंदसौर।

शहर के इंद्रा कॉलोनी में दो आरोपियों ने अपनी महिला साथी के साथ मिलकर दो किसान को झांसा देकर अपने घर बुलाया। यहां मारपीट कर चाकू दिखाया और एक के कपड़े उतरवाकर महिला के साथ वीडियो बना लिया। फिर बलात्कार के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपये की मांग की। नहीं देने पर किसान से स्टाम्प पर 10 लाख रुपये की उधारी की लिखापढ़ी और उसका घर तक आरोपियों ने अपने नाम करवा लिया। पीड़ित किसान ने अपने साथी के साथ वायडी नगर थाने जाकर शिकायत की तो मामला प्रकाश में आया। जांच के बाद पुलिस ने दो नामजद आरोपी सहित अज्ञात महिला के खिलाफ केस दर्ज किया है।

वायडी नगर थाना प्रभारी संदीप मंगोलिया ने बताया कि, पीड़ित ओमप्रकाश कृषि उपज मंडी तोल कांटे पर आया था। लेकिन यहां इसे जगदीश राव मिला और अपने साथ घर पर ले गया और यहां महिला से मिलवा दिया। इसी दौरान ओमप्रकाश ने साथी गोपाल को भी बुला लिया। तभी आरोपी जगदीश ने अपने साथी विक्रम को भी बुलाया और प्लान के अनुसार किसान ओमप्रकाश और साथी गोपाल के साथ मारपीट कर इन्हें घर में बंधक बना लिया। यहां जबरन चाकू दिखाकर इनके कपड़े उतरवाएं और महिला के साथ वीडियो भी बना लिया।

इसके बाद शुरू हुआ ब्लैकमेलिंग का खेल

थाना प्रभारी मंगोलिया ने बताया कि, आरोपी जगदीश राव और विक्रम राठौर ने वीड़ियो बनाने के बाद ओमप्रकाश और गोपाल से 10 लाख रुपये मांगे। नहीं देने पर वीडियो वायरल कर बदनाम करने और बलात्कार के केस में फंसाने की धमकी दी। जब दोनों ने रुपये देने से इंकार कर दिया तो आरोपियों ने नई तरकीब लगाई।

नाम करवा लिया किसान का मकान

आरोपी दोनों पीड़ित को महाराणा प्रताप बस स्टैंड स्थित ई-स्टांप वाले के यहां पर ले गए। यहां स्टाम्प पर लिखवाया कि मैंने तुम्हे 2 माह पूर्व 10 लाख रुपये दिए थे। अगर नहीं दिए तो राजाखेड़ी वाला 10 बाय 15 का कच्चा मकान मेरा होगा। बकायदा इसकी मंदसौर कोर्ट में नोटरी भी करवाई। इस दौरान दोनों आरोपी ने दो चेक पर भी जबरन हस्ताक्षर करवाकर 10 लाख रुपये उधारी की लिखापड़ी भी स्टाम्प में लिखवा ली।

पुलिस ने किया केस दर्ज

पुलिस ने इस मामले में आरोपी जगदीश राव पिता रामलाल राव, विक्रम पिता भंवरलाल राठौर दोनों निवासी इंद्रा कॉलोनी तथा अज्ञात महिला के खिलाफ धारा 308 (6), 351 (2), 3 (5) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया है।

नशा मुक्ति अभियान का जरिया बना क्रिकेट टूर्नामेंट

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम के सेमलिया गांव में आयोजित एक अनूठे क्रिकेट टूर्नामेंट की इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। यह टूर्नामेंट केवल खेल का माध्यम नहीं है, बल्कि नशामुक्ति के संकल्प को भी मजबूत करने का जरिया बन चुका है। इस टूर्नामेंट में न केवल खिलाड़ियों को बल्कि दर्शकों को भी मैच देखने से पहले नशामुक्ति की शपथ दिलाई जा रही है। यह शपथ स्वैच्छिक रूप से ली जाती है, लेकिन गांव के लोग इसे अपने जीवन में अपनाने का निश्चय कर चुके हैं।

नशामुक्ति के लिए ग्रामीणों की पहल

ग्रामीण क्षेत्रों में युवा पीढ़ी पिछले कुछ वर्षों में नशे की लत की चपेट में आती जा रही थी। कई युवाओं की असमय मृत्यु भी हो चुकी है, जिससे गांव के जिम्मेदार लोगों ने इसे रोकने के लिए कदम उठाने का निर्णय लिया। क्रिकेट के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रखने के इस प्रयास में ग्रामीण भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट के दौरान सभी खिलाड़ी और दर्शक नशामुक्ति की शपथ लेते हैं और जीवनभर इससे दूर रहने का संकल्प लेते हैं।

क्रिकेट टूर्नामेंट में बढ़ती भागीदारी

इस पहल को सफल बनाने के लिए गांव के बड़े बुजुर्ग और युवा मिलकर काम कर रहे हैं। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में 35 से अधिक टीमें भाग ले रही हैं, जिनका प्रत्येक खिलाड़ी नशामुक्ति का संकल्प ले रहा है। खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि उनके परिजन और समाज के अन्य लोग भी इस मुहिम से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

गांव के भविष्य को सुरक्षित बनाने की पहल

गांव के बुजुर्ग और जिम्मेदार नागरिक अब लगातार ऐसे आयोजनों की पहल कर रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ी नशे से दूर रह सके। इस तरह के प्रयासों से युवा खेलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं और स्वस्थ जीवनशैली अपना रहे हैं।

साहब! 200 रुपये का दूध हमारे बस का नहीं...

छतरपुर।

प्रदेश के छतरपुर जिले से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां पिछले एक महीने से पुलिस की निष्क्रियता से परेशान एक किसान अपनी चोरी हुई भैंस के बछड़े को लेकर एसपी ऑफिस पहुंच गया और उसे वहीं पर बांध दिया, पीड़ित किसान का कहना है कि महीने भर पहले उसकी भैंस चोरी हुई थी। भैंस को ले जाते हुए चोर सीसीटीवी में भी कैद हो गए थे, लेकिन पुलिस अब तक आरोपियों का पता नहीं लगा पाई है।

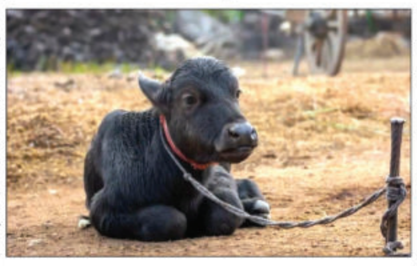

जब भैंस चोरी हुई थी, तब बछड़ा एक महीने का था। अब वो दो महीने का हो गया है। उसकी भूख मिटाने के लिए उसे रोजाना 200 रुपए का दूध पिलाना पड़ रहा है। इसी से परेशान होकर किसान बच्चे को एसपी ऑफिस में छोड़ने आया था। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के करीं गांव का है।

यहां रहने वाले भैया लाल पटेल की भैंस करीब महीनेभर पहले चोरी हो गई थी। चोरी की भैंस को ले जाते हुए चोर गांव के रास्ते में लगे एक सीसीटीवी में दिखाई दिए थे। ऐसे में पीड़ित भैयालाल का कहना है कि वह पिछले 15 दिनों से लगातार थाने के चक्कर लगा रहा था। रोजाना सुबह 10 बजे से 5 बजे तक बैठा रहता था, चोरों की पहचान एवं सीसीटीवी देने के बाद भी पुलिस चोरों को नही पकड़ पाई।

फरियादी का कहना है चोर जिस भैंस को चुराकर ले गए थे उस समय उसका महीनेभर का बछड़ा भी था, जो कि अब दो महीने का हो चुका है। उसने बताया कि पिछले एक महीने से वह उस बछड़े को बोतल से दूध पिला रहे हैं, जिसमें रोजाना भारी खर्च आ रहा है। और इस खर्च को वहन करना अब हमारे बस की बात नहीं है। इन्हीं सब बातों से परेशान होकर भैंस मालिक परिवार मंगलवार को बछड़े को लेकर एसपी पहुंच गया और उसे वहीं बांध दिया।

पुलिस ही पाले अब इसे

भैंस मालिक का कहना है हम महीनेभर से परेशान हैं। पुलिस अबतक चोरों को पकड़ नहीं पाई है, जबकि हम उन्हें पहले से सीसीटीवी फुटेज एवं चोरों की पहचान और पता बता चुके हैं इसलिए पुलिस जब हमारी भैंस और चोरों को नहीं ढूंढ पाई तो अब इस बछड़े को यहीं छोड़कर जाएंगे, ताकि इसे भी पुलिस ही पाल ले। पुलिस अधिकारी ने फरियादियों से बात की और उनकी समस्याओं को सुनने के बाद जल्द से जल्द चोरों के पकड़ने का आश्वासन देकर किसान को बछड़े के साथ समझाबुझाकर वापस भेज दिया।

दलौदा प्रतिष्ठा महोत्सव 25 प्रतिमाओं का हुआ मंगल प्रवेश, 14 को होगी प्राण प्रतिष्ठा

माही की गूंज, मंदसौर।

दलौदा नगर के नवीन जीर्णोद्धारीत श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो चुका है। नवजीर्णोद्धारित मंदिर में नया गर्भगृह , गुरु मंदिर, नवग्रह जिनालय सहित मुख्य गर्भग्रह के सामने स्थित 41 फीट ऊँचा रमणीय मानस्तंभ मंदिर की शोभा में चार चाँद लगाएगें। भगवान व गुरुदेव की प्रतिमाओं का नगर प्रवेश हुआ। इस दौरान ट्रेक्टर ट्रॉली को सजाकर सभी 25 प्रतिमाओं को उसमें विराजित कर नगर भ्रमण कराया।

बैंड बाजे के साथ भगवान के आगे महिला व पुरुष धार्मिक स्तवनो पर नृत्य करते चल रहे थे। इस दौरान समाजजनों द्वारा अपने घर दुकान के आगे भगवान की गहुली बनाकर आगवानी की। नवीन गर्भगृह में मूलनायक आदिनाथ भगवान पदम प्रभु भगवान एवं नेमीनाथ एवं गुरूमन्दिर में आचार्य सन्मति सागर जी महाराज साहब, मालवा प्रांत उद्धारक मुनि 108 वीरसागर जी महाराज साहब सहित नवग्रह मंदिर में मुलानायक सुव्रतनाथ भगवान, विधीनायक आदिनाथ भगवान के साथ पार्श्वनाथ भगवान, मुनि सुव्रतनाथ भगवान, पद्मप्रभु भगवान, चंदा प्रभु भगवान, सुपार्श्वनाथ भगवान सहित प्रथमाचार्य आचार्य शांति सागर जी महाराज साहब व आदिसागर जी महाराज साहब के चरणकमल स्थापित होंगे। इस प्रकार मंदिर जी मे पच्चीस नई व सात वर्तमान सहित बत्तीस प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष निलेश जैन ने बताया कि उक्त सभी प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा कर विराजमान करने की बोलीयां 20 फरवरी को सुबह कार्यक्रम स्थल पर ही लगाई जाएगी।

एकादशी पर किया बाबा श्री श्याम का गुणगान

माही की गूंज, अकोदिया।

अकोदिया शनिवार को जया एकादशी के अवसर पर श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट महिला मंडल द्वारा स्थानीय लक्ष्मी नारायण मंदिर में ताली कीर्तन का आयोजन कर बाबा श्री श्याम का गुणगान किया गया। श्याम प्रेमियों द्वारा बाबा श्री खाटू श्याम जी का आकर्षक श्रंगार कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। महिला मंडल द्वारा बाबा को श्याम भजनों से रिझाया गया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी पंडित दिलीप आनंद कृष्ण जी महाराज का श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत द्वारा शाल श्रीफल पुष्प हार भेंटकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर रचना शर्मा, सुगन पाटीदार, मनीषा परमार, नीलम चौरसिया, रीता अग्रवाल, रीना सोनी, हनी गुप्ता, शशि सूर्यवंशी, प्रेमलता पेजवाल सहित बड़ी संख्या में महिला मंडल श्याम प्रेमी उपस्थित रहे।

जैन मुनि निष्कंप सागर का मंगल प्रवेश

माही की गूंज, शुजालपुर। नगर में समाधि सम्राट आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज और आचार्य श्री 108 समय सागर जी महामुनिराज के शिष्य, मुनि श्री 108 निष्कंप सागर जी महाराज का ससंघ मंगल प्रवेश हुआ। स्वागत समारोह में सकल दिगंबर जैन समाज के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पुरुषों ने सफेद वस्त्र धारण किए, जबकि महिलाएं केसरिया साड़ी में सज्जित होकर पहुंचीं। समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने जगह-जगह रंगोली बनाकर स्वागत की तैयारियां की। सौगात बैंड की मधुर धुन के साथ मुनिश्री का भव्य स्वागत किया गया।

मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में मुनिश्री ने प्रवचन दिया, जिसमें उन्होंने जीवन मूल्यों और आदर्शों पर विशेष जोर दिया। उनके प्रेरणादायक विचारों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को गहराई से प्रभावित किया। समाज के लोगों ने न केवल अपने घरों को सजाया बल्कि पूरे मार्ग को भी आकर्षक ढंग से सजाया गया।

इस अवसर पर जैन समाज ने एकजुटता का परिचय देते हुए धार्मिक आस्था और सामाजिक सौहार्द का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। मुनिश्री के आगमन से पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल बन गया, और श्रद्धालुओं ने उनका आशीर्वाद प्राप्त कर धन्यता महसूस की।

प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, पुलिस विभाग की ज़मीन से हटाया अतिक्रमण

माही की गूंज, रतलाम।

जिला प्रशासन ने पुलिस विभाग को आवंटित भूमि को जेसीबी की मदद से अतिक्रमण हटाकर मुक्त करवाया। कार्रवाई के दौरान लोगों ने विरोध भी किया। लेकिन प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अतिक्रमण हटाया। उक्त भूमि वर्ष 2016 में पुलिस विभाग को आवंटित की गई थी।

रतलाम के हकिमवाड़ा क्षेत्र में वर्ष 2016 में पुलिस विभाग को भूमि आवंटित की गई थी। उक्त भूमि पर कुछ पक्का तो कुछ अस्थाई अतिक्रमण कर लोग निवास कर रहे थे। अतिक्रमण करियों को कई बार अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए। लेकिन अतिक्रमणकर्ताओं ने कोई ध्यान नहीं दिया। मंगलवार को पुलिस विभाग के अधिकारी राजस्व विभाग व जिला प्रशासन के साथ आवंटित भूमि पर कब्जा लेने पहुंचे। यहां प्रशासन ने करीब चार बीघा से अधिक शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया।

कार्रवाई के दौरान एएसपी राकेश खाखा, एसडीएम अनिल भाना, आरआई मोहन भर्रावत, स्टेशन रोड टीआई स्वराज डाबी, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन की यह कार्रवाई शाम तक जारी रही। तहसीलदार ऋषभ ठाकुर ने बताया कि सर्वे नंबर 634 की 0.870 हेक्टेयर जमीन वर्ष 2016 में पुलिस विभाग को आवंटित की गई थी। लेकिन उस पर अवैध कब्जा कर मकान बना लिए गए थे। प्रशासन ने पूर्व में अतिक्रमणकारियों को हटने का नोटिस दिया था, लेकिन अतिक्रमणकर्ताओं ने अपना अतिक्रमण नहीं हटाया, जिसके चलते जिला पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और कब्जाधारियों को अपना सामान निकालने का समय दिया।

मौके पर तीन पक्के मकान और अन्य अस्थायी निर्माण थे, जिन्हें नगर निगम की दो जेसीबी मशीनों की मदद से तोड़ा गया। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध जताया, लेकिन प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए अतिक्रमण हटा दिया। प्रशासन ने विरोध करने वालों से मकान से जुड़े दस्तावेज मांगे, लेकिन कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। रहवासियों का कहना था कि यह भूमि राजा-महाराजाओं के समय से उनके पूर्वजों के पास थी, लेकिन तहसीलदार ऋषभ ठाकुर ने स्पष्ट किया कि यह भूमि 2016 में पुलिस को आवंटित हुई थी और वहां अवैध रूप से लोग रह रहे थे।

प्रभारी मंत्री ने प्रशासनिक अमले को दी बधाई

माही की गूंज, खरगोन।

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मनरेगा कार्यों की डॉक्यूमेन्ट्री में खरगोन के कार्यों का समावेश होने पर मप्र शासन में सहकारिता खेल एवं युवा कल्याण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग द्वारा इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए जिले के प्रशासनिक अमले को बधाई दी गई है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि, प्रशासनिक अमले के सही मार्गदर्शन एवं योजना के क्रियान्वयन से खरगोन जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

गांधी स्मारक पर दी श्रद्धांजलि

माही की गूंज, बड़वानी।

अपर कलेक्टर केके मालवीय ने बुधवार गांधी जी के श्राद्ध दिवस के अवसर पर कुकरा बसाहट स्थित गांधी स्मारक पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सर्वोदय मेले का आयोजन किया गया और साथ ही सर्वधर्म प्रार्थना, भजन व संबोधन भी किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर केके मालवीय, तहसीलदार बड़वानी जगदीश कुमार वर्मा नगर पालिका अधिकारी सोनाली शर्मा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

जीतू पटवारी ने सीएम और पूर्व सीएम को हाथी के नीचे से निकलने का दिया चैलेंज

भोपाल।

म. प्र. के कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज अमरकंटक में नर्मदा नदी के उद्गम स्थल पर दर्शन किए और मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की। उन्होंने नर्मदा मंदिर में स्थित हाथी प्रतिमा के नीचे से निकलने की परंपरा भी निभाई। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यक्ति के पाप-पुण्य का फैसला होता है, क्लेश दूर होते हैं और सारी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं। इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और मौजूदा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हाथी की प्रतिमा के नीचे से निकलने की चुनौती भी दी।

जीतू पटवारी ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सवाल किया कि दो साल पहले उन्होंने 100 करोड़ की लागत से अमरकंटक में मां नर्मदा कॉरिडोर बनाने की घोषणा की थी, उसका क्या हुआ। इसी के साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी पूछा कि अनूपपुर में मां नर्मदा लोक की कार्ययोजना बनाने के फैसले पर कितना काम हुआ है।

बीजेपी की घोषणाओं को लेकर किए सवाल

अमरकंटक पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बीजेपी को दो वर्ष पूर्व की उस घोषणा की याद दिलाई जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अमरकंटक में 100 करोड़ रुपये की लागत से मां नर्मदा कॉरिडोर निर्माण का वादा किया था। इसी के साथ उन्होंने अनूपपुर में मां नर्मदा लोक की कार्ययोजना बनाने के निर्णय को लेकर भी सवाल किया कि इस दिशा में कितना काम हुआ। बीजेपी पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि 'मैं फिर से पूछ रहा हूं कि बीजेपी धर्म, आस्था और विश्वास के नाम पर झूठ बोलने का आदतन अपराध कब तक करती रहेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने दी चुनौती

इस दौरान जीतू पटवारी नर्मदा मंदिर स्थित हाथी की प्रतिमा के नीचे से भी निकले। मंदिर प्रांगण में लगभग साढ़े तीन फीट का पत्थर का हाथी स्थापित है और मान्यता है कि इसके नीचे से निकलने पर सारे संकट दूर होते हैं, पाप-पुण्य का निर्धारण होता है और व्यक्ति की मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। हाथी की प्रतिमा के नीचे से निकलने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा है कि 'मैं पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता हूं, अगली बार जब भी अमरकंटक आएं, हाथी प्रतिमा के नीचे से निकल कर दिखाएं ! जनसेवा का भ्रम फैलाने वालों के, पाप और पुण्य का निर्णय मां नर्मदा करेंगीं !' इस तरह उन्होंने शिवराज सिंह चौहान और सीएम मोहन यादव को हाथी की प्रतिमा के नीचे से निकलने का चैलेंज दिया है।

छात्रावास अधीक्षक व अधीक्षिकाओं की बैठक

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने 7 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाग्रह में जिले के समस्त छात्रावासों के अधीक्षक एवं अधीक्षिकाओं की बैठक लेकर छात्रावासों में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री एसके कानुड़े, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री प्रशांत आर्य सहित छात्रावास अधीक्षक व अधीकाएं उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर सुश्री मित्तल से सभी छात्रावास अधीक्षकों को निर्देशित किया कि छात्र-छात्राओं से कोई भी लेबर का कार्य नहीं कराएगा। इस तरह की शिकायत मिलने पर उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। छात्रावासों व स्कूलों में पानी की टंकियों की समय-समय पर नियमित जांच होनी चाहिए। वाटर कूलर सभी जगह रहना चाहिए। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने सभी को निर्देशित किया कि सभी छात्रावासों में टीवी अनिवार्य रूप से होना चाहिए। साथ ही सभी विद्यालयों व छात्रावासों में किचन गार्डन अनिवार्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमित दिये जाने वाले भोजन में सब्जियों पर ज्यादा ध्यान दे और हरी सब्जियों की उपलब्धता हर जगह सुनिश्चित करें। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने कहा कि छात्रावासों के निरीक्षण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिये है जो समय समय पर निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

कलेक्टर सुश्री मित्तल ने निर्देशित किया कि सभी छात्रावासों व स्कूलों के शोचालयों में हैंडवाश या साबुन अनिवार्य रूप से रखें। यह भी सुनिश्चित कर ले कि छात्राओं की प्रत्येक टॉयलेट में गेट अच्छा होना चाहिए और सोलर गीजर सभी जगह लग जाने चाहिए। सभी छात्रावास अधीक्षक व अधीक्षिकाएं छात्र-छात्राओं को अपने बच्चों की तरह ही देखरेख करें। किसी भी प्रकार की उन्हें कोई समस्या न हो इसका विशेष ध्यान रखें। किसी भी छात्रावास या स्कूल के कैम्पस में किसी भी प्रकार नशा न हो इसका भी ध्यान रखें।

एमडी ड्रग्स फैक्ट्री के मामले में फरार की कार चलाते समय मौत

भोपाल। गुजरात नारकोटिक ब्यूरो द्वारा मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पक?ी गई एमडी ड्रग फैक्ट्री के मामले से जु? फरार तस्कर रबनवाज की हार्ट अटैक से मौत हो गई है। बताया गया है कि रबनवाज पुलिस की गिरफ्त से बचता हुआ इधर.उधर भागकर फरारी काट रहा था। राजस्थान.मध्य प्रदेश बॉर्डर पर कार चलाने के दौरान उसे हार्ट अटैक आया और उसकी मौत हो गई। गौरतलब है कि रबनवाज भोपाल में पक? गए 1800 करो? के ड्रग्स के मामले में वांटेड था। मल्हारग? थाने के एनडीपीएस केस में भी पुलिस को उसकी तलाश थी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रबनवाज राजस्थान की तरफकार से जा रहा थाए इसी दौरान गा?ी में अटैक आने से उसकी जान चली गई।

हालांकि इस मामले में आरोपी शोएब लालाए ओम पाटीदार और रबनवाज को मंदसौर पुलिस लगातार तलाश कर रही

थी। रबनवाज की मौत के बाद फ्लिहाल शोएब और ओम पाटीदार फरार हैं। उल्लेखनीय है की गुजरात नारकोटिक ब्यूरो ने भोपाल में रैकी कर ब?ी ड्रग फैक्ट्री का भंडाफो? किया था। कोटरा सुल्तानाबाद रोडए हुजूर निवासी अमित प्रकाशचंद्र चतुर्वेदी ;57 वर्षद्ध और नासिक महाराष्ट्र निवासी सान्याल बाने को गिरफ्तार किया गया था। ड्रग फैक्ट्री भोपाल के कटारा हिल्स थाना इलाके में बगरोदा गांव के इंडस्ट्रियल एरिया में चलाई जा रही थी। जांच में मंदसौर के कई लोगों के नाम सामने आये था। उनमें एक नाम आरोपी रबनवाज का भी था। जॉच में सामने आया की रबनवाज लंबे समय से तस्करी का काम कर रहा था। भोपाल की अवैध ड्रग फैक्ट्री से मुंबई में ड्रग सप्लाई करने के काम में रबनवाज शामिल था। वहीं मंदसौर में भी उसके खिलाफकई मामले दर्ज थे। भोपाल ड्रग फैक्ट्री के भंडाफो? में रबनवाज का नाम सामने आने पर पुलिस द्वारा उसे वांटेड घोषित कर दिया था। रबनवाज पर इनाम घोषित कर उसकी तलाश की जा रही थी।

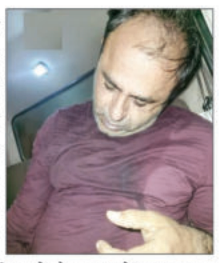

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत प्रशिक्षण

माही की गूंज, खण्डवा ।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' योजना के प्रशिक्षण व भ्रमण कार्यक्रम अंतर्गत मंगलवार को बालिकाओं को रोजगार कार्यालय में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रोजगार पंजीयन प्रशिक्षण कार्यकम का आयोजन किया गया। इसमें रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता व रोजगार पंजीयन हेतु आवश्यक दस्तावेज के बारे में बताते हुये जिला रोजगार अधिकारी श्री ज्ञानप्रकाश तिवारी द्वारा बालिकाओं की करियर काउन्सलिंग की गई। साथ ही बालिकाओं को अपने करियर पर ध्यान देने व उनके आगे आने वाले समय को बेहतर बनाने के लिये अपनी पढाई की ओर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सिकलसेल एक अनुवांशिक रोग

माही की गूंज, बड़वानी ।

सिकलसेल बीमारी छूने से नहीं फैलती ना ही यह छुआछूत की कोई बीमारी है यह एक अनुवांशिक रोग है जिसका इलाज समझ और जागरूकता के साथ ही संभव है उक्त बात अविनाश वानखेड़े ने ग्रामीणों को सिकलसेल एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम के तहत कहि। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक सुश्री ज्योति वर्मा के निर्देशन में सिकल सेल जागरूकता अभियान कार्यक्रम सम्पूर्ण जिले में चलाया जा रहा हैं। इसी के तहत आज बड़वानी के ग्राम बगुद, पिपरी और लोनसरा में आंगनवाड़ी भवन में सिकलसेल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें श्री वानखेड़े ने सिकलसेल एनीमिया से बचाव, सुरक्षा चक्र और जांच के बारे में जानकारी दी और इस सम्बंध में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने का आह्वान किया ताकी इस बीमारी को समुदाय में फैलने से रोका जा सके एवं स्वस्थ और श्रेष्ठ राष्ट्र निर्माण किया जा सके, कार्यक्रम में उदयराम ठाकुर ने बताया कि सिकलसेल से पीड़ित व्यक्तियों को शासन की किन-किन योजनाओं का लाभ मिलता है एवं उन्हें कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी चाहिए, राजेन्द्र देवड़े ने बताया कि किस तरह हम शादी के पूर्व वर वधु की कुंडलियां न मिला कर दोनों की सिकलसेल की जाँच करवा कर ही विवाह तय करे जिससे आने वाली पीढ़ी सिकलसेल मुक्त हो, दूधालाल चौहान ने सिकल सेल की कुंडली को चार्ट के माध्यम से ग्रामीणों को समझाया संजय पुरोहित ने सम्पूर्ण ग्रामीणों को सिकलसेल से सभी को जागरूक करने की शपथ दिलाई, इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग से सीएचओ मनीषा गंगवाल, एएनएम दीपाली, एएनएम मंजुला लोहारे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राधा रावत, गुंजापंवार सीएमसीएलडीपी के छात्र गौरव, शिला,युवराज, ज्योति, आशा एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण लोग उपस्थित रहे।

शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं त्यौहार-कलेक्टर

माही की गूंज, खण्डवा ।

आगामी शब-ए-बारात, महाशिवरात्रि, होली-धुलेंडी, रंग पंचमी, गुड़ी पड़वा, गणगौर, महावीर जयंती, हनुमान जयंती आदि त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के संबंध में बुधवार को कलेक्टर ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने शांति समिति के सदस्यों से चर्चा करते हुए कहा कि सभी लोग अपने-अपने त्यौहार भाईचारे, सौहार्द पूर्ण रूप से एवं शांति पूर्वक मनाएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने नगर निगम के अधिकारी को निर्देश दिए कि समय पर रोशनी, साफ-सफाई एवं पीने के पानी की व्यवस्था रहे। साथ ही उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि त्यौहारों के दौरान विद्युत आपूर्ति निर्बाध रहे इसका विशेष ध्यान रखा जायें एवं बिजली के झूलते हुए तारों का निराकरण किया जाए, जिससे कोई दुर्घटना न हो।

बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न करें और कोई भी मैसेज फारवर्ड करने से पहले उसके तथ्य को अवश्य जान लें। भ्रामक जानकारी फैलाने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी आयोजकों से कहा कि वे समय से अनुमति लेना सुनिश्चित करें, ताकि पुलिस एवं प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रूप से की जा सके। उन्होंने कहा कि अनुमतियों में दी गई शर्तों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आयोजक कार्यक्रम के दौरान सी.सी.टी.वी. कैमरे अवश्य लगायें, जिससे कि किसी भी प्रकार की घटना की जानकारी मिल सकें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जुलूस में धारदार हथियार लेकर न चलें, अन्यथा दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने एसडीएम को निर्देश दिए कि हर त्यौहार की अनुमति अलग अलग दी जायें एवं उसमें शर्ते भी लिखी जायें। उन्होंने सी.एम.एच.ओ. को निर्देश दिए कि त्यौहार के दौरान एम्बूलेंस की व्यवस्था उचित रहे। उन्होंने कहा कि सभी पक्ष ध्यान रखें कि डीजे का उपयोग अनावश्यक रूप से ना किया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी से कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रहे एवं शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही करें। उन्होंने शांति समिति के सभी सदस्यों से कहा कि वे स्वयं एवं उनके वॉलंटियर्स त्यौहारों के समय पुलिस और प्रशासन के सहयोग के लिए रहें। बैठक में उन्होंने कहा कि जो भी व्यवस्थाएं की जाती रही हैं उनको और बेहतर बनाने के लिए समिति के सुझावों पर कार्य किया जायेगा।

पुलिस अधीक्षक मनोज राय द्वारा कहा गया कि परम्परागत तरीके से आपसी समन्वय बनाकर एवं नियमानुसार त्यौहार मनाएं। उन्होंने कहा कि त्यौहार पर किसी प्रकार की अफवाहें न फैलाएं, यदि आपके संज्ञान में कुछ आता है तो तत्काल उसकी सूचना दें, कार्यवाही की जायेगी। बैठक में अपर कलेक्टर के.आर. बड़ोले, अरविंद चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र सिंह तारणेकर, एसडीएम खण्डवा बजरंग बहादुर सहित शांति समिति के सदस्य तथा अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

एपीसी से संबंधित हुई विभागों की समीक्षा बैठक

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर सुश्री भव्या मितल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाग्रह में 7 फरवरी को कृषि प्रसंस्करण केन्द्र (एपीसी) से संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित कर कृषि, आत्मा, उद्यानिकी, पशुपालन, दुग्ध संघ, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी, जिला विपणन अधिकारी, एम.पी.एग्रो, मण्डी, सहकारिता एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के विभागीय योजनाओं की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सभी विभागों द्वारा वित्तीय वर्ष में प्राप्त विभागीय योजनाओं एवं कार्यों की लक्ष्य-पूर्ति एवं विभाग से संबंधित अन्य जानकारियों से अवगत कराया गया। तत्पश्चात कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने सभी विभागों को वित्तीय वर्ष समाप्ति के पूर्व ही समस्त लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति करने के निर्देश दिये। साथ ही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आकाश सिंह द्वारा भी सभी विभागो के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये।

समीक्षा बैठक में उप संचालक कृषि एमएस सोलंकी, परियोजना संचालक मदन कनाश, उप संचालक उद्यानिकी श्री केके. गिरवाल, सहायक संचालक मत्स्य पालन रमेश मोर्य, पशु चिकित्सा एचसी पटेल, सहायक यंत्री कृषि अभियांत्रिकी मनीष मिश्रा, मण्डी सचिव श्रीमति शर्मिला निनामा, जिला विपणन अधिकारी रोहित श्रीवास्तव, जिला प्रबंधक एम.पी. एग्रो प्रफुल्ल देशपाण्डे, उपायुक्त सहकारिता के.आर. अवास्या, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से अनिल कानुनगो, दुग्ध संघ से धीरेन्द्र प्रताप सिंह त्यागी एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिजली की अघोषित कटौती से उपभोक्ता परेशान

विधार्थी, व्यापारी, तथा कृषक सभी परेशान

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ ही नहीं अपितु आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली की लुकाछिपी से हड़कंप मचा हुआ है बिजली विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जवाबदार चुप बैठे हैं। इस अघोषित कटौती तथा बालटेज के उतार चढ़ाव के कारण विधार्थी व्यापारी कृषक सभी परेशान हो रहे हैं।

विगत महिनों से क्षेत्र में बिजली की हालत पतली बनी हुई है, कभी मेंटनेंस के नाम से तो कभी बगैर किसी पूर्व सूचना के दिन हो या रात कभी भी बिजली कटौती कर दी जाती है, इसके साथ ही वांलटेज के उतार चढ़ाव से घरेलू बिजली उपकरणौ की नुक्सानी भी हो रही है। इधर बच्चों की परीक्षाएं प्रारंभ हो रही हैं उन्हें पढ़ाई में परेशानी हो रही है, आटा चक्की वाले, ठंडा बेचने वाले, बिजली के सामान विक्रेता के साथ ही वे कृषक जिन्हें सिंचाई करना है सिंचाई नहीं होने के कारण फसलों को हानि हो रही है। इधर फोटो स्टूडियो वाले, फोटो कांपी तथा क्योस्क सेंटर चलाने वाले तथा बैंकिंग कार्य आदि में भी परेशानी हो रही है सबसे अधिक गंभीर स्थिति जल प्रदाय योजना की हो रही है टंकी में पानी भरने में परेशानी होने के कारण जल प्रदाय समय पर नहीं हो पा रहा है। बिजली विभाग का कोई जवाबदार ठीक से जबाब नहीं दे रहे हैं। यदि यही स्थिति रही तो मजबूरन नागरिकों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है।

क्या कहते हैं नागरिक, व्यापारी आदि

अनिल खंडेलवाल का कहना है कि, मेरा बिजली उपकरण बेचने तथा सुधार कार्य की दुकान है बिजली की अनियमितता के कारण परेशानी हो रही है।

विपिन कुमार राठौड़ का कहना है कि, हमारा कुल्फी, आइसक्रीम आदि ठंडा का व्यावसाय बिजली की आंख मिचौली के कारण धंधा चौपट हो रहा है।

इंदरसिंह चौहान का कहना है कि, बिजली कटौती तथा बालटेज के उतार चढ़ाव के कारण आनाज पीसने में परेशानी हो रही है।

ठाकुर लोकेंद्र सिंह का कहना है कि, हम किसानों को दिन की बजाय रात में बिजली प्रदाय की जाती है उसका भी कोई समय निश्चित नहीं है, साथ ही वालटेज की समस्या के कारण बिजली पंम्प नहीं चल पाने के कारण सिंचाई में दिक्कत हो रही है।

वही इस मामले में जेई बिजली विभाग आलीराजपुर अंजन नारगावे ने बताया है कि, अभी बिजली की खपत सिंचाई के कारण अधिक होने से समस्या आ रही है, फ़रवरी माह के बाद सुधार की संभावना है।

महाशिवरात्रि पर बदलेगी महाकाल की दर्शन व्यवस्था

माही की गूंज, उज्जैन।

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में 17 फरवरी को शिव नवरात्र के रूप में शिव-पार्वती विवाह महोत्सव की शुरुआत होगी। लगातार दस दिन भगवान महाकाल को हल्दी लगाकर दूल्हा रूप में श्रृंगारित किया जाएगा। महापर्व को लेकर मंदिर में तैयारी की जा रही है।

बुधवार से गर्भगृह में रुद्रयंत्र व रजत मंडित दीवार की सफाई होगी। इसके लिए दिल्ली से स्वर्णकार की टीम मंगलवार को उज्जैन पहुंचेगी। बारह ज्योतिर्लिंग में महाकाल एक मात्र ज्योतिर्लिंग हैं, जहां महाशिवरात्रि का उत्सव 10 दिन तक मनाया जाता है। इस बार तिथि वृद्धि के चलते यह उत्सव पूरे 11 दिन मनाया जाएगा।

केमिकल से साफ सफाई करेंगे

शिव विवाह उत्सव के दौरान राजा के आंगन का कोना-कोना स्वर्णिम आभा से दमकेगा। मंगलवार को विश्राम धाम, सभा मंडप की रंगाई पुताई के साथ इसकी शुरुआत हो जाएगी। बुधवार से दिल्ली के स्वर्णकार की टीम गर्भगृह में रजत मंडित दीवार व चांदी के रुद्रयंत्र की हर्बल केमिकल से साफ सफाई करेगी।

गर्भगृह में विराजित भगवान गणेश, माता पार्वती, कार्तिकेय आदि की रजत मूर्तियों की पालिश होगी। ज्योतिर्लिंग के शिखर पर स्वर्ण आवरण की भी साफ सफाई होगी। 17 फरवरी को महाशिवरात्रि से पहले साफ सफाई, रंग रोगन आदि का काम पूर्ण कर लिया जाएगा।

कोटितीर्थ कुंड की सफाई होगी

महाकाल मंदिर परिसर स्थित कोटितीर्थ कुंड धार्मिक दृष्टिकोण से अलभ्य है। इसी कुंड के जल को आरओ प्लांट में और शुद्धकर भगवान का नित्य अभिषेक पूजन किया जाता है। महाशिवरात्रि से पहले इस कुंड की भी साफ सफाई की जाएगी।

कुंड में विभिन्न प्रकार की मछलियां सहित अन्य जलीय जीव मौजूद रहते हैं। इन्हें मत्स्य विभाग के विशेषज्ञों की देख रेख में शिप्रा में स्थानांतरित किया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर ये रहेगी दर्शन व्यवस्था

सामान्य दर्शनार्थी

महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी को सामान्य दर्शनार्थियों को कर्कराज पार्किंग से भील धर्मशाला गंगा गार्डन, चारधाम मंदिर, शक्तिपथ के रास्ते महाकाल महालोक के मानसरोवर फैसिलिटी सेंटर से टनल के रास्ते गणेश व कार्तिकेय मंडपम से भगवान महाकाल के दर्शन कराए जाएंगे।

वीआईपी

प्रोटोकाल के तहत आने वाले वीआईपी तथा वीवीआईपी दर्शनार्थियों को बेगमबाग के रास्ते नीलकंठ द्वार से मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा। महाशिवरात्रि पर प्रोटोकाल दर्शन के लिए 250 रुपये का निर्धारित शुल्क चुकाना होगा।

वृद्ध व दिव्यांग

महाशिवरात्रि पर वृद्ध व दिव्यांग दर्शनार्थियों को मंदिर के प्रशासनिक भवन के सामने अवंतिका द्वार से मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा।

गर्भगृह में सफाई शुरू होगी

मूलचंद जूनवाल सहायक प्रशासक महाकाल मंदिर ने बताया कि, महाकाल मंदिर में महाशिवरात्रि को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। बुधवार से रंगाई-पुताई और गर्भगृह में सफाई शुरू होगी।

रिंकेश तंवर एवं गोविंदा गुप्ता विधायक प्रतिनिधी नियुक्त

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने विभागीय गतिविधियो एवं समीक्षा के साथ आमजन, जनसमान्य को विभागीय सुविधाए उपलब्ध करवाने एवं योजनाओ का लाभ आमजन को दिलवाने में सहायतार्थ हेतु विधायक प्रतिनिधि की नियुक्ती की।

मंत्री चौहान ने बताया कि, मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कम्पनी अलीराजपुर ''विद्युत विभाग'' हेतु भाजपा के निवर्तमान मंडल अध्यक्ष एवं जिला प्रतिनिधि रिंकेश तवर को साथ ही लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ''स्वास्थ्य विभाग'' हेतु मंत्री सांसद स्वास्थ्य हेल्पलाइन के रतलाम झाबुआ अलीराजपुर जिले के प्रभारी, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष गोविन्दा गुप्ता को अपना विधायक प्रतिनिधी नियुक्त करते हुए आदेश जारी किया है।

भाजपा नेता राजेश गुप्ता ने बताया कि, तंवर एवं गुप्ता को विधायक प्रतिनिधी नियुक्त होने पर सांसद श्रीमति अनिता चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष मकु परवाल, पुर्व विधायक माधौसिंह डावर, विधायक प्रतिनिधि दिलीप चैहान, भाजपा नेता संतोष थेपडिया, पूर्व नपा अध्यक्ष रितु डावर, अधिवक्ता राजेश राठौड, वरिष्ठनेता भदु पचाया, इंदरसिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष सुरेश सस्तीया, गिरिराज मोदी, पुर्व मंडल अध्यक्ष मनसिह, संदीप राही, मनोज राठौड, निर्मल सोमानी, सचिन शाह, अंकित, अभिषेक, सचिन परिहार, बलवन्त वाघोला, अशोक सोलंकी, नारायण वर्मा एवं दिपक गेहलोत सहित सभी भाजपा पदाधिकारीयो, कार्यकर्ताओ एवं समाजजनो ने बधाईया दी।

नई शादी, अधूरी खुशियां : महीने भर में उजड़ गया नया बसेरा

माही की गूंज, उज्जैन।

महाकाल वाणिज्य केंद्र में रहने वाली 43 वर्षीय महिला पूनम जैन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक महीने पहले उनके पति पीयूष जैन का हार्ट अटैक से निधन हो गया था, जिसके बाद से वह गहरे सदमे में थीं।

पति की मौत के बाद सदमे में थी महिला

उज्जैन पुलिस के मुताबिक, पूनम का विवाह चार महीने पहले महाकाल वाणिज्य केंद्र के निवासी और शिक्षक पियूष जैन से हुआ था। शादी के कुछ महीनों बाद ही पीयूष का निधन हो गया, जिससे पूनम पूरी तरह टूट गईं। मंगलवार की शाम जब परिजनों ने उनके कमरे में जाकर देखा तो वह फंदे से लटकी मिलीं। यह देख परिवार वालों की चीख निकल गई।

महिला को परिजन लेकर पहुंचे उज्जैन जिला अस्पताल

परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पूनम का मायका बड़वानी में है। चार माह पहले महाकाल वाणिज्य केंद्र के रहने वाले पीयूष जैन से उसका विवाह हुआ था।

महीने भर पहले पति की हुई मौत के बाद से सदमे में थी पूनम

पियूष शिक्षक था। महीने भर पहले ही पियूष की हार्ट अटैक से उसकी मौत हो गई थी। पियूष की मौत के बाद से वह काफी निराश थी। संभवतः इसी वजह से उसने आत्महत्या कर ली। जानकारी लगने पर पूनम के मायके वाले बड़वानी से उज्जैन पहुंच गए। उनकी मौजूदगी में पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमॉर्टम कराया। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। महाकाल वाणिज्य केंद्र पुलिस के मुताबिक अभी तक मायके पक्ष के लोग आ जरूर गए हैं लेकिन किसी ने कोई आरोप नहीं लगाया है। लाश का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मायके पक्ष से बातचीत के बाद जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

समाज जनों ने भव्य रूप से मनाई संत श्री रविदास जी की जयंती

माही की गूंज, आम्बुआ।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रविदास समाज द्वारा समाज के धर्मगुरु संत श्री रविदास जी की जयंती पर भव्य शोभायात्रा कस्बे में निकाल कर धूम धाम से मनाने के समाचार प्राप्त हुए हैं। आम्बुआ कस्बे में विगत वर्षो से रविदास जयंती पर समाज जनों द्वारा भव्य जुलूस निकाला जाता रहा है। इस वर्ष भी संत श्री रविदास जी की झांकी सजाई गई तथा आवास फलिया से जुलूस निकाला गया जोकि कस्बे से भ्रमण पश्चात आवास फलिया पहुंची जहां पर आरती की गई तथा महाप्रसादी का वितरण किया गया।

यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन की प्रक्रिया पूरी तरह से सुरक्षित-कमिश्नर

माही की गूंज, धार।

कमिश्नर दीपक सिंह ने आश्वस्त किया है कि यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन की प्रक्रिया पूरी तरह से सुरक्षित होगी और इससे किसी भी नागरिक के स्वास्थ्य या पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। धार जिला प्रशासन ने भी पिछले एक महीने से विभिन्न गांवों, वार्डों, स्कूलों, कॉलेजों और औद्योगिक इकाइयों में इस विषय पर जनसंवाद किया है, जिससे आम जनता को सही जानकारी मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीथमपुर के नागरिक उनके अपने हैं और निष्पादन प्रक्रिया के दौरान वे स्वयं अपने अधिकारियों के साथ वहाँ उपस्थित रहेंगे। जिला प्रशासन द्वारा भी विगत एक महीने से विभिन्न गांवों में वार्डों में स्कूल कॉलेजों में औद्योगिक इकाइयों में ही इस विषय को जन संवाद के माध्यम से रखा गया है। यूनियन कार्बाइड के कचरे के सुरक्षित निष्पादन को लेकर पीथमपुर नगर पालिका सभागार में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें पुलिस महानिरीक्षक अनुराग, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, डीआईजी निमिष अग्रवाल,एसपी मनोज कुमार सिंह और पीथमपुर के जनप्रतिनिधि, नागरिक, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में निष्पादन प्रक्रिया को वीडियो फ़िल्म के माध्यम से समझाया गया और नागरिकों की शंकाओं का समाधान किया गया। जनसंवाद में उपस्थित आईजी अनुराग ने कहा कि अब लोग इस विषय को बेहतर तरीके से समझ रहे हैं और पिछली बैठक की तुलना में अब माहौल में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। उन्होंने आग्रह किया कि कोई भी भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया पर साझा न करें। ऐसी स्थिति में प्रशासन द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।जनसंवाद के दौरान अधिकारियों ने बताया कि यूनियन कार्बाइड के कचरे का निष्पादन वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल तरीके से किया जाएगा। इस प्रक्रिया से किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

88 छात्राओं की केरियर काउसलिंग हुई

माही की गूंज, धार।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि, सोमवार को कार्यालय धार महाराजा भोज शासकीय नवीन बालिका कन्या छात्रावास इन्दौर नाका एवं शासकीय कस्तुरवा गांधी बालिका छात्रावास मॉडल स्कुल केम्पस धार में केरियर काउसलिंग का आयोजन किया गया। जिसमें चयनित मनोवैज्ञानिक, विषय विशेषज्ञों द्वारा संस्था में अध्ययनरत छात्राओ के लिए केरियर काउंसलिंग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही स्वरोजगार से संबंधी और रोजगार पोर्टल के संबंध में भी जानकारी दी गई। इस दौरा कुल 88 छात्राओं की केरियर काउंसलिंग की गई। इनमें महाराजा भोज शासकीय नवीन बालिका कन्या छात्रावास में 40 छात्राओं और शासकीय कस्तुरवा गांधी बालिका छात्रावास में 48 छात्राओं की केरियर काउंसलिंग की गई।

शिवरात्रि पर नही होगी शयन आरती, रतजगा करेंगे भगवान

माही की गूंज, खंडवा।

महाशिवरात्रि पर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर 24 घंटे दर्शनार्थियों के लिए खुला रहेगा। प्रतिदिन रात साढ़े आठ बजे होने वाली शयन आरती नहीं होगी। मान्यताओं के अनुसार भू-लोक का भ्रमण कर प्रतिदिन भगवान भोलेनाथ ओंकारेश्वर मंदिर में मां पार्वती के साथ शयन करते हैं। इसके लिए मंदिर में शयन आरती के बाद नियमित रूप से सेज, झूला और चौसर सजती है।

तीर्थनगरी में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का उल्लास रहेगा। भगवान ओंकारेश्वर-ममलेश्वर के दर्शनार्थ बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। इसे देखते हुए तड़के तीन बजे से मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे।

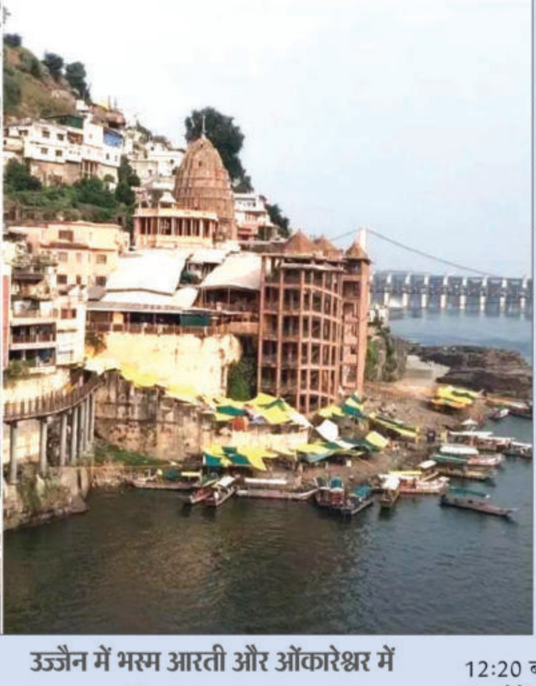

चौसर भी बिछती है

अगले दिन तड़के ढाई बजे कुछ समय के लिए पट बंद होंगे। शास्त्रों के अनुसार ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती रात्रि विश्राम करते हैं। इसके चलते रात्रि में यहां भगवान के लिए सेज, झूला और चौसर भी बिछती है।

रात्रि 8:30 बजे के बाद मंदिर के पट बंद कर शयन आरती की जाती है। इसके बाद भगवान विश्राम करते हैं। महाशिवरात्रि पर शयन आरती और भगवान के लिए सेज और झूला नहीं सजेगा।

उज्जैन में भस्म आरती और ओंकारेश्वर में शयन आरती का महत्व

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए महाशिवरात्रि पर एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु आते हैं। इसे देखते हुए आम दिनों की तुलना में मंदिर के कार्यक्रम और धार्मिक आयोजनों में बदलाव होता है।

मंदिर ट्रस्ट के पं. आशीष दीक्षित और पं. डंकेश्वर दीक्षित ने बताया कि, महाकालेश्वर में भस्म आरती के समान ओंकारेश्वर में भगवान की शयन आरती का महत्व है। महाशिवरात्रि के अलावा भगवान 15 दिन के लिए भगवान निमाड़-मालवा के भ्रमण पर जाने के दौरान भी मंदिर में शयन आरती और गर्भगृह में सेज तथा झूला नहीं सजता है।

पट खुलने पर पहले साधु-संत करेंगे दर्शन

महाशिवरात्रि पर सुबह तीन बजे पट खुलने के बाद साधु-संत और संन्यासी जुलूस के साथ मंदिर पहुंचकर पूजन-दर्शन करेंगे। इसके बाद आम श्रद्धालुओं के दर्शन का सिलसिला शुरू हो जाएगा। दोपहर 12:20 बजे भगवान को भोग के लिए कुछ समय पट बंद होंगे। फिर रात तीन बजे तक पट खुले रहेंगे। शिवरात्रि पर मंदिर में फूलों से सजावट और तीर्थनगरी तथा घाटों पर रोशनी की जाएगी।

विधायक ने किया तालाब का भूमिपूजन

माही की गूंज, बरझर।

नागरसिंह चौहान ने आजाद नगर भाबरा के काकडबारी में आरईएस विभाग के द्वारा 64 लाख की लागत से बनने वाले तालाब के भूमिपूजन के अवसर पर कहा कि, किसानों को इस तालाब निर्माण से सिंचाई करने में फसलों को लाभ मिलने की बात कही साथ ही गमियों के मौसम में भी फ़सल ले सकेंगे। हम भी चाहते हैं कि बिजली के वोल्टेज से हमारा किसान परेशान हो जेसे ही बिजली आती है ऐसे ही एक साथ पानी की मोटरे चालूं हो जाती है बरझर में ग्रीड लगते ही वाल्टेज की कमी आने वाले समय में पूरी हो जाएगी। साथ शादी ब्याह कार्यक्रम में डीजे, दारू, शादी दापा के रूपयों को कम करने की बात कही। हम सभी को जन जागरण करने की जरूरत है तब ही सम्भव है।

क्षेत्रीय सांसद अनिता चौहान ने कहा कि, केन्द्र सरकार ने आवास योजना का सवे चालू किया है जो 31 मार्च तक चलेगा। क्षेत्रीय विधायक सेना महेश पटेल ने कहा की इस तालाब बनने से फसलों का रकबा बढ़ेगा। परन्तु आज बिजली के वोल्टेज की कमी के कारण फसलों को भारी नुक़सान उठाने की बात कही मंत्री नागरसिंह चौहान से बिजली की कमी के चलते लेटर देकर मांग भी की ताकी किसानों की फसलें बचा सके।

इस अवसर पर पूर्व विधायक माधवसिंह डावर, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, मण्डल अध्यक्ष नारायण अरोड़ा, अजय जयसवाल, लहीक मोहम्मद शैख, सोनू वर्मा, हरीश भाबर, सरपंच मेहू, तेजसिंह, करणसिंह मेड़ा, भगत सिंह बामनिया, ई एस भावेल, एसडीओ आर परमार आदि विशेष रूप से मौजूद थे।

कब जागोगे सरकार...!

जिले में यूपी, बिहारी, बंगालियों, बांग्लादेशियों का अंबार, पुलिस व प्रशासन सोया गहरी नींद में

जिला मुख्यालय के हर वार्ड सहित सभी कस्बों में भरे पड़े है अन्य देश व प्रदेशों के लोग

माही की गूंज। संजय भटेवरा

झाबुआ। वैसे तो यह जिला मध्यप्रदेश के पश्चिमी छोर पर बसा व गुजरात-राजस्थान की सीमाओं से सटा होकर आदिवासी बाहुल क्षेत्र है। जिले में शिक्षा का स्तर अब भी निम्न है। आर्थिक स्थिति की दिशा व दशा भी ठीक तो नहीं कही जा सकती। मगर यहां इस स्थिति में भी बाहरी लोगों का काम-काज व धंधे के लिए आना कई सवाल पैदा करता है। शिक्षा का स्तर निम्न होने के चलते जिले में बाहरी लोग आकर आदिवासी ग्रामीणों को अपना शिकार बनाते और पैसा छापते है। वैसे तो इस क्षेत्र के ग्रामीण अल्प सुविधाओं में ही अपना जीवन यापन करते है और अपनी जरूरतों के लिए साप्ताहिक हाट बाजारों पर निर्भर रहते है। मगर पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में कुछ नया चलन देखने को मिला है। बाहर से आने वाले धंधेबाज, ग्रामीण इलाकों में फैरी लगाते और सामान बैचते दिखाई देते है। इनके द्वारा क्रय-विक्रय की प्रक्रिया भी बाबा आदम के जमाने की ही नजर आती है। यह लोग ग्रामीणों से विक्रय की गई वस्तु का मुल्य ना लेते हुए भंगार, कबाड़, अनाज या अन्य वस्तु ले लेते है। विडम्बना यह कि, ग्रामीण भी इस व्यवहार में पूरा सहयोग करते है, कारण शिक्षा का ना होना। इसी अशिक्षा के चलते कई बार इस व्यवहार में वे वस्तुएं भी इन फैरी वालों को दे देते जिसकी कीमत का सही अंदाजा उन्हे होता ही नहीं। इसके उलट फैरी वाले, ग्रामीणों से ली गई उस वस्तु को बाजार में आकर अच्छे दामों में बैचते और खूब मुनाफा कमाते है।

हालांकी यह कोई नई बात नहीं है मगर जो लोग जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में फैरी लगाकर धंधा कर रहे है उनमें से कई अन्य प्रदेशों के रहवासी है। ऐसे लोगों की संख्या जिले में बहुत बड़ी है। मगर अब तक इसका कोई रिकार्ड पुलिस या प्रशासन के पास नहीं है। इनमें कितने अपराधी है यह भी बड़ा प्रश्न है। जिले के हालात कुछ ऐसे है कि, बाहर से धंधा करने के नाम पर आने वाले कई लोग अब यहां स्थाई तौर पर जम चुके है। जिला मुख्यालय के ही लगभग हर वार्ड में यह कहीं न कही किराए के मकान लेकर रह रहे है। यह बात स्वतः ही प्रमाणित भी है क्योंकि जिले की सड़कों पर कई यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल पासिंग के वाहन आसानी से फैरी लगाते हुए देखे जा सकते है। जिनमें बाईक से लेकर चार पहियां वाहन भी शामिल है। जिले में होने वाले व्यापार का समयकाल भी इन्हे बखूबी पता होता है। यहां रहकर यह लोग इतने परिपक्व हो गए है कि, जिले के ग्रामीणों के पलायन की पूरी जानकारी भी इन्हे हो चुकी है। ग्रामीण कब मजदूरी के लिए पलायन करते है और कब वापस जिले में लौटते है सारी जानकारी इन्हे होती है। इनमें से जो लोग यहां स्थाई रूप से नहीं रहते है वे भी फरवरी से जून-जुलाई तक जिले में ही अपना ठिकाना बनाते है। भगोरिया और उसके बाद आदिवासी समाज में वैवाहिक कार्यक्रमों की धूम रहती है, जिसका पूरा-पूरा फायदा बाहर से आने वाले यह धंधेबाज उठाते है।

वैसे तो धंधे के नाम पर बाहर से जिले में आने वाले यह लोग अक्सर जिला मुख्यालय व उसके कस्बों में किराये से मकान लेकर रहते है। इनमें से कई लोग तो ऐसे है जो जिस मकान को किराए से लेते है उसका पूरे साल का किराया चुकाते है। जबकि साल के लगभग 6 माह वह यहां रहते ही नहीं। सीजन में आते है 6 माह के आसपास रहकर यहां काम धंधा करते है और फिर 6 माह के लिए लौट जाते है। यही क्रम लगातार चलता रहता है। मगर इससे हटकर कुछ लोग अब जिले में स्थाई रूप से रहने लगे है। विडम्बना यह कि, इनकी खबर पुलिस और प्रशासन को बिल्कुल भी नहीं है। ना ही जिस किराए के मकान में यह रहते है उसके मालिकों द्वारा पुलिस को कोई सूचना नही दी जाती है। कई जगह तो किराए संबंधी किसी तरह की कोई लेख पड़ भी नहीं होती है। ना तो इनका किसी तरह का कोई रिकार्ड मौजूद है कि, यह लोग कहां से आए है, क्यों आए है और इनमें से कोई अपराधी तो नहीं है।

पिछले दिनों नागदा से पकड़ाए एक अपराधी का नाम झाबुआ जिले से जुड़कर सामने आया है। जिले की थांदला तहसील का नाम इस घटना के बाद अचानक सुर्खियों में आ खड़ा हुआ है। नागदा में पकड़ाए ड्रग्स माफिया के तमाम दस्तावेज आधार कार्ड, वोटर आईडी सहित पासपोर्ट तक सब थांदला के होना बताया गया। हालाकि इस मामले में यह सारे दस्तावेज फर्जी पते पर बनना बताया जा रहा है। जिले की पुलिस अब तक यह रहस्य नहीं सुलझा पाई है कि, आखिर थांदला में यह पता है कहां और इस तरह के नकली दस्तावेज कैसे और किसकी मदद से बनाए गए।

यह और बात है कि, नागदा पुलिस ने इस मामले को उजागर कर दिया। अगर बारीकी से जांच की जाए तो झाबुआ जिले में ऐसे कई अपराधी और माफिया निकलकर सामने आ सकते है जो अन्य जिलों व प्रदेशों ही नही बल्की बाहरी देश से भी आकर जिले को अपनी शरण स्थली बना चुके है। इसको लेकर थांदला और पेटलावद में अब तक कुछ संघ, संगठनों ने आपत्ती दर्ज करवाते हुए प्रशासन को ज्ञापन जरूर सौंपा है। मगर पुलिस व प्रशासन की ओर से इस मामले में अब तक किसी तरह की कोई ठोस कार्रवाई देखने को नही मिली है। स्थिति को देखते हुए तो यह लग रहा है कि, शायद पुलिस और प्रशासन इसे गंभीरता से लेना ही नही चाहते। बाहर से आकर शहर में बसने वालों की संख्या कितनी है इसकी जानकारी शायद पुलिस व प्रशासन को बिल्कुल भी नहीं है।

ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि कुछ वर्षों पूर्व गुजरात के गोधरा दंगों का एक अपराधी जिले से पकड़ा जा चुका है। जो करीब एक दशक तक जिले में शरणार्थी बनकर रहा, बावजूद इसके पुलिस व प्रशासन को इसकी भनक तक नही लगी। गुजरात पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गोधरा दंगों के इस आरोपी को दबिश देकर पकड़ा था। जिसके बाद भी यह मामला सामने आया था कि, आखिर वह झाबुआ का स्थाई निवासी कैसे बना...? आखिर उसका झाबुआ के पते का वोटर आईडी, राशन कार्ड कैसे बन गए...? तत्समय भी न तो पुलिस ने यह जानने की कोशिश की और ना ही प्रशासन ने इस मामले को लेकर गंभीरता दिखाई।

आश्चर्य नहीं कि, जिले में अब भी इन फैरी कर धंधा करने आए यूपी, बिहारियों और बंगालियों, बांग्लादेशियो के बीच कोई कुख्यात अपराधी मौजूद हो और जिले को अपनी शरण स्थली बनाकर रह रहा हो। क्योंकि यहां रहना इतना आसान है कि ना तो पुलिस को कोई लेना-देना है और ना ही प्रशासन को। वैसे भी इन्हे जिले में न तो कोई जानता है और ना ही कोई पहचनता है कि, यह लोग कहां से आए है और कौन है। जिनके मकानों में किराए से रहते है उन्हे सिर्फ किराए से मतलब, वह क्या करते है, क्या कर के आए है, उससे कोई लेना-देना नहीं है।

जब-जब ऐसा मौका आता है तब-तब पुलिस - प्रशासन भी औपचारिकता भर करते दिखई देते है। किराएदारों की जानकारी थाने में देने को लेकर मुनादी करवा दी जाती है। लेकिन इसे कभी सख्ती से अमल में नहीं लाया जाता।

तो हमारा यही है सवाल कब जागोगे सरकार... जिले में यूपी, बिहारी, बंगालियों, बांग्लादेशियो का लगा हुआ है अंबार..., पुलिस व प्रशासन क्यों नहीं है तैयार... !

एक जनप्रतिनिधि का दायित्व समस्याओं का समाधान करना होता है न कि माहौल को खराब करना या आतंक फैलाना...

शांत फिजा में जहर घोलने का प्रयास कर ऐसा विवाद किया कि, लोगो का लग गया हुजुम।

माही के गूंज, खवासा।

जातिवाद का बीज बोकर हम सिर्फ शांत फिजा में जहर घोलने का ही कार्य करेंगे... अगर हम जातिवाद का बीज न बोकर भाईचारा का प्रतिक बनेंगे तो तय है शांत फिजा में जहर घोलने वाले का पतन होगा और हमारे भाई चारे में कोई सेंध नहीं लगा पाएगा, यह तय है।

ऐसे में जब क्षेत्र कीं कोई शांत फिजा में जातिवाद रूपी जहर घोलने का प्रयास करें तो ऐसे में जंहा जनप्रतिनिधि हो तो उसकी जवाबदारी बनती है कि, बिगड़ते माहौल को शांत करें न कि जातिवाद का जहर घोलकर शांत फिजा को बिगाड़े।

क्षेत्र में शांत फिजाओं को बिगाड़ने का कुकृत्य करने का एक वाक्या शनिवार 8 फरवरी को सामने आया। खवासा के बाजना मार्ग पर संचायिका मोबाईल की दुकान पर एक विवाद हुआ और विवाद ऐसा हुआ कि, बिना तर्क के साथ मोबाइल संचालक के साथ विवाद किया। जिसमें विवाद करने वाला क्षेत्र की एक पंचायत का सरपंच पुत्र था और उसके सहयोग में अन्य एक पंचायत सरपंच पति व उसका भाई मैदान में उतरे और इस तरह से चिल्ला-चिल्लाकर जनप्रतिनिधि होने के बावजूद जातिवाद का बीच बोते रहे। तथा मूल बात को एक तरफ रख दी गई और जातिवाद का जहर घोल विवाद को बड़ा रूप देने का प्रयास कर मामला हाथापाई तक आ गया। जिसके बाद मामला बढ़ते हुए देख लोगों ने पुलिस चौकी में फोन किया। लेकिन पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से नहीं लिया और सूचना के करीब आधे घंटे बाद में पुलिस पहुंची। इतनी देरी में यहां लोगों का हुजूम लग गया और बात तेरे-मेरे और जातिवाद आधारित जहर घुल चुका था।

मामलाः पुलिस के आने के बाद दोनों पक्ष पुलिस चौकी तक पहुंचे। पुलिस के सामने भी जातिवाद का जहर घोलने वाले जनप्रतिनिधि व परिवार अचूक नहीं रहा। खैर, पुलिस चौकी में दोनों पक्षों को समझाइस देकर समझौता नामा किया गया।

मामले में मूल बात यह सामने आई कि, क्षेत्र के एक सरपंच पुत्र ने संचायिका मोबाईल पॉइंट से एक मोबाइल पिछले दिनों खरीदा था। उक्त मोबाइल एक प्राइवेट कंपनी से फाइनेंस करवाया। जिसकी मासिक किश्त तय दिनांक से एक या दो-दिन बाद संचायिका मोबाईल पॉइंट के संचालक को फाइनेंस कंपनी में जमा करवाने हेतु देकर गया। मोबाईल पॉइंट के संचालक ने दी गई राशि जमा करवा दी। लेकिन फाइनेंस कंपनी ने फाइनेंस धारक के अकाउंट से पेनल्टी की राशि ऑनलाइन काट ली गई बताया जा रहा है। जिस पर सरपंच पुत्र, संचायिका मोबाईल पॉइंट पर पहुंचा और पेनल्टी की राशि उसके बैंक खाते से कट जाने की बात कर विवाद का रूप सरपंच पुत्र ने दे दिया। तथा सहयोगी साथियों को बुलवाकर जनप्रतिनिधि एवं परिवार ने जातिवाद का जहर घोलने का कुकृत्य कर आपसी भाईचारे के संबंधों में सेंध लगाने का कृत्य किया। जिसकी निंदा जनप्रतिनिधि एवं उसके परिवार कि की जा रही है।

यह निंदा सही भी है, क्योंकि एक जनप्रतिनिधि बनने के बाद वह जनप्रतिनिधि किसी एक जाती वर्ग का नही बल्की जातिवाद की इस खाई से ऊपर उठकर होता है। जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि, अगर गांव या क्षेत्र में कोई माहौल इस तरह का बिगाड़ता है या विवाद होने पर सभी को समान दृष्टि से देखा जाकर बिगड़े हुए माहौल को शांत करने का दायित्व मुख्य रूप से उनके कंधों पर होता है। लेकिन हमारे क्षेत्र के जनप्रतिनिधि शायद दिशा विहीन होते नजर आ रहे हैं जो निंदनीय ही है।

शक्तियों का दुरूपयोगः नायब तहसीलदार बना पटवारी

माही की गूंज डेस्क न्युज, आगर मालवा।

शक्तियों का दुरूउपयोग करना एक नायब तहसीलदार को महंगा पड़ गया। मध्यप्रदेश के आगर मालवा जिले में एक अनोखा मामला देखने को मिला है, जहां एक नायब तहसीलदार को कलेक्टर ने शासन के आदेश पर पटवारी बना दिया है। शासन की तरफ से यह फैसला नायब तहसीलदार के पद पर रहते हुए शक्तियों का दुरुपयोग करने के चलते लिया गया है।

नायब तहसीलदार अरुण चन्दवंशी को पटवारी बनाया गया है। चंद्रवंशी पर यह कार्यवाही न्यायिक शक्तियों के दुरुपयोग, शासन के नियमों के खिलाफ कार्य करने के चलते की गई है। बताया जाता है कि उन्होंने आगर मालवा जिले के झोटा, बिजानगरी में रहते हुए कई फर्जी आदेश भी पारित किए थे। साथ ही इस दौरान एक-एक वर्ष की अवधि के लिए गरीबी रेखा के राशनकार्ड भी बनाए थे।

डिमोशन के बाद भेजा उज्जैन

नायब तहसीलदार के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई गई थी। वर्तमान में अरुण चन्दवंशी बड़ागांव में नायब तहसीलदार के पद पर पदस्थ थे। फिलहाल अरुण चन्दवंशी को पटवारी बनाकर उज्जैन भेज दिया गया है।

बता दें कि, मध्यप्रदेश राजस्व विभाग भोपाल ने एक आदेश जारी किया था। यह आदेश कलेक्टर को भेजा गया था। जिसमें आदेश दिया गया कि, आगर मालवा के नायब तहसीलदार की पटवारी के पद पर तैनाती की जाए। आदेश के बाद अब वह नायब तहसीलदार के रूप में नहीं, बल्कि पटवारी के रूप में कार्य करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422